राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 26 मई 2022 वर्ष–5,अंक–120 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब सिर्फ 'कांग्रेस' नहीं 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' कहिए, समझें पार्टी की नई रणनीति

पार्टी ने संपर्क को लेकर रणनीति में बदलाव करते हुए कांग्रेस पार्टी ने टास्क फोर्स 2024 की बैठक की। इस बैठक में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को विशेष तौर पर बुलाया गया था।

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने अब अपनी रणनीति में खास बदलाव किए हैं। खबर है कि पार्टी अब कांग्रेस के बजाए इंडियन नेशनल कांग्रेस या भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कहलाना पसंद कर रही है। खास बात है कि पार्टी ने राजस्थान के उदयपुर में आयोजित चिंतन शिविर के दौरान बड़े बदलाव की घोषणा की थी। इस क्रम मंगलवार को पार्टी ने टास्क फोर्स 2024 समेत तीन समूह गठित किए हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अपने प्रवक्ताओं/नेताओं को टीवी डिबेट और प्रेस कांफ्रेंस या भाषणों के दौरान कांग्रेस के बजाए इंडियन नेशनल कांग्रेस कहने की सलाह देने जा रही है। सूत्रों ने बताया, पार्टी इसके जरिए यह संदेश देना चाहती है कि कांग्रेस भारतीय है, कांग्रेस में भारतीयता है और पार्टी नेशनल कांग्रेस है जिसने आजादी की लड़ाई लड़ी थी।

खास बात है कि पार्टी ने राजस्थान के उदयपुर में आयोजित चिंतन शिविर के दौरान बड़े बदलाव की घोषणा की थी।

खबर है कि पार्टी ने यह बदलाव इसलिए किए हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के राष्ट्रवाद पर सवाल उठा रहे हैं। साथ ही कांग्रेस नेतृत्व की भारतीयता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ऐसे में यह दोहराना जरूरी है कि कांग्रेस पार्टी भारतीय है और कांग्रेस का नेतृत्व भी भारतीय है।

एजेंसी के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि भारत और भारतीयता से जुड़ने के लिए कांग्रेस ने उदयपुर में पार्टी के प्रस्ताव को हिंदी में पढ़ा और इसे हिंदी में ही जारी किया गया। हालांकि, बाद में इसे बदलकर अंग्रेजी में किया। यह पहली बार है जब कांग्रेस में प्रस्ताव हिंदी में पास हुआ है और बाद में इसका अनुवाद अंग्रेजी में किया गया।

पार्टी ने संपर्क को लेकर रणनीति में बदलाव करते हुए कांग्रेस पार्टी ने टास्क फोर्स 2024 की बैठक की। इस बैठक में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को विशेष तौर पर बुलाया गया था। इतना ही नहीं इस बैठक की तस्वीरें मीडिया में तत्काल जारी की गई ताकि आम कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की गंभीरता का पता लग सके।

RCP के ट्विटर अकाउंट से CM नीतीश और JDU गायब, बैनर पर लगाई PM मोदी की तस्वीर; चर्चा शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह उर्फ आरसीपी सिंह के राज्यसभा जाने को लेकर अटकलें जारी है। इसी बीच नौकरशाह से राजनेता बने आरसीपी सिंह ने अपने ट्विटर हैंडल पर अपने बायो में खुद को मंत्री, राज्यसभा सांसद, आईएएस, आईआरएस के अलावा जेएनयू का पूर्व छात्र बताया है। साथ ही उनके ट्वीटर हैंडल से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह भी गायब हैं। आरसीपी सिंह के ट्विटर के बैनर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक बड़ी तस्वीर लगी है, जिसमें आजादी का अमृत महोत्सव संदेश था। इससे पहले जब पत्रकारों ने पटना हवाईअड्डे पर उनसे संसद के उच्च सदन में उनके दोबारा प्रवेश के बारे में पूछा तो सिंह चुप्पी साधे रहे। उन्होंने हाथ जोड़कर पत्रकारों का अभिवादन किया और दिल्ली के लिए रवाना हो गए। बता दें कि राज्यसभा में आरसीपी सिंह का दूसरा कार्यकाल सात जुलाई को समाप्त होने वाला है। उच्च सदन में जदयू की एकल सीट के लिए नए नामांकन के लिए पार्टी विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने एक बैठक में आयोजित किया। पटना ने 20 मई को पार्टी के वास्तविक नेता और बिहार के सीएम नीतीश कुमार को उम्मीदवार चुनने के लिए अधिकृत किया था। खबरों की मानें तो पिछले साल 7 जुलाई को केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में जदयू कोटे से नीतीश को अकेला केंद्रीय मंत्री बनाए जाने के बाद से नीतीश और आरसीपी के बीच संबंधों में खटास आ गई है। पटना में सियासत के गलियारे में कहा जा रहा है कि केंद्रीय इस्पात मंत्री बनने के बाद आरसीपी का झुकाव बीजेपी की तरफ ज्यादा रहा। बता दें कि बिहार के पांच राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो रहा है। ऐसे में इसके नामांकन की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है।

मंगलुरु में जुमा मस्जिद के पास धारा 144 लागू, मस्जिद के नीचे मिला है हिन्दू मंदिर जैसा वास्तुशिल्प डिजाइन

मंगलुरु। कर्नाटक के मंगलुरु स्थित जुमा मस्जिद के आसपास धारा 144 लगा दी गई है। वहां बड़ी संख्या में आज पुलिस की तैनाती की गई है। मलाली की इस मस्जिद के नीचे एक हिंदू मंदिर जैसा वास्तुशिल्प डिजाइन पाए जाने के बाद धार्मिक स्थल से 500 मीटर के दायरे में यह धारा लगाई गई है। बता दें कि 21 अप्रैल को मस्जिद के जीर्णोद्धार के दौरान मंदिर जैसी एक संरचना मिली थी, जिससे विवाद खड़ा हो गया था। इसके बाद, अदालत ने मस्जिद प्रबंधन को काम बंद करने का आदेश दिया था।

शांति व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास

बता दें कि जुमा मस्जिद इलाके में उपजे विवाद के बाद भीड़ जमा होने पर रोक लगाई गई है। वहीं मंगलुरु प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था न बिगड़े इसके लिए यह धारा लगाई गई है। इसके लिए क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

विहिप ने पुजारी के साथ की पूजा

वहीं विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के हिंदू कार्यकर्ताओं ने मस्जिद के बारे में सच्चाई का पता लगाने के लिए पारंपरिक तरीके से पुजारी के साथ तांबुल प्राशन किया। तटीय कर्नाटक में, यह व्यापक रूप से प्रचलित रिवाज है जहां पीढ़ियों के इतिहास के बारे में जानने के लिए पुजारियों से संपर्क करना आम बात है। हिंदू कार्यकर्ता मस्जिद के इतिहास का पता लगाने के लिए अगले कदम के रूप में ÷तांबुल प्राशन÷ के बाद ÷अष्टमंगला प्राशन÷ भी रखेंगे।

कानून को मानने वाले ही कर सकते हैं अधिकारों का दावा, सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। मूलभूत अधिकार के नाम पर कोई भी सुरक्षा कवच उन्हीं लोगों को मिल सकता है, जो नियमों का पालन करते हों और कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करते हों। सुप्रीम कोर्ट ने एक केस की सुनवाई करते हुए यह अहम टिप्पणी की। महाराष्ट्र के एक शख्स ने खुद पर मकोका लगाए जाने के खिलाफ अर्जी दाखिल की थी और कहा था कि इससे उसके मूल अधिकार प्रभावित होंगे। इस पर अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि मूल अधिकारों की रक्षा का कवच उन्हीं लोगों को हासिल हो सकता है, जो लोग कर्तव्यों का पालन करते हों। जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और अनिरुद्ध बोस की अदालत ने कहा, मूल अधिकारों का दावा उस स्थिति में जस्टिफाई नहीं किया जा सकता, जब संबंधित शख्स खुद कानून का पालन न करता हो। आरोपी का कहना था कि उस ऐंटी-गैंगस्टर लॉ लागू किया गया है और इसका उसके मूल अधिकारों पर गंभीर असर होगा। इस पर फैसला देते हुए जस्टिस माहेश्वरी ने लिखा, जहां तक आरोपी के खिलाफ मकोका कानून लागू करने की बात है तो हमें यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि यदि कोई व्यक्ति भगोड़ा घोषित हो जाता है और जांच एजेंसियों की पकड़ से बाहर रहता है तो फिर यह सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है। ऐसे व्यक्ति कोई रियायत नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि एक साधारण आरोपी क्रिमिनल प्रॉसिजर कोड के सेक्शन 438 का हवाला देते हुए अग्रिम जमानत के लिए अदालत जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा तब नहीं हो सकता, जब आरोपी भगोड़ा हो। पुलिस की ओर से आदतन अपराधी घोषित किया गया हो। ऐसे शख्स को सेक्शन 438 का लाभ नहीं दिया जा सकता। अदालत ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 136 के तहत हमें सेक्शन 438 के तहत आरोपी की मांगों पर विचार करने का अधिकार मिलता है। लेकिन अपील करने वाले शख्स पर गंभीर आरोपों में केस दर्ज हैं। ऐसे में उसकी अपील पर राहत नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को भविष्य में सामने आने वाले केसों के लिए एक नजीर के तौर पर देखा जा सकता है।

स्पाइसजेट पर हुआ रैनसमवेयर अटैक, कई उड़ानें हुईं प्रभावित

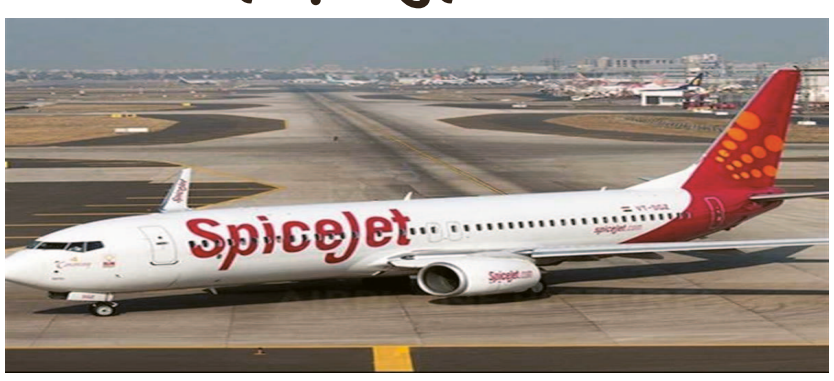

नई दिल्ली। स्पाइसजेट पर साइबर हमले की बात सामने आई है। कुछ स्पाइसजेट सिस्टम को बीती रात रैनसमवेयर हमले के प्रयास का सामना करना पड़ा है। इस हमले के चलते आज सुबह की कई उड़ानें प्रभावित हुई हैं और कुछ को धीमा भी कर दिया गया। वहीं इस हमले के बाद स्पाइसजेट का बयान भी सामने आया है। कंपनी का कहना है कि आईटी टीम ने स्थिति पर काबू पा लिया है और उसे ठीक कर लिया है और उड़ानें अब सामान्य रूप से चल रही हैं।

हम AC कमरे से निकालकर रहेंगे; अखिलेश पर फिर बोले ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने एक दिन पहले अखिलेश यादव को जनता के बीच जाने की नसीहत देकर और सदन में सपा सदस्यों के विरोध प्रदर्शन में शामिल न होकर सबको चौंका दिया था। राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे। इन कयासबाजियों के बीच राजभर ने एक बार फिर अखिलेश पर बयान दिया है। उन्होंने गठबंधन न छोड़ने का दम भरते हुए दावा किया- हम अखिलेश यादव को एसी कमरे से निकालकर रहेंगे।

मीडिया से बातचीत में राजभर ने कहा- अखिलेश कैसे नहीं निकलेंगे? हम निकालेगें। उन्होंने कहा कि गठबंधन खड़ा है। गठबंधन जारी रहेगा। 2024 के आम चुनाव में भी हम एक साथ चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मैंने अखिलेश यादव से 4-5 बार कहा कि हम अपने संदेश के साथ लोगों के पास गए और हमने 125 सीटें जीतीं। हमें फिर से लोगों के पास जाना चाहिए और रोटी, कपड़ा, मकान और दवाई के बारे में बात करनी चाहिए।

राजभर ने कहा कि मैंने बस इतना कहा है कि बसपा प्रमुख मायावती जी और दिल्ली के कांग्रेस नेता अपने एसी कमरों से बाहर नहीं निकले और उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। यदि हम अपने कमरों से बाहर नहीं निकलते हैं तो हमें भी नुकसान होगा।

विधानसभा में 6 विधायक हैं सुभासपा के

यूपी विधानसभा में सुभासपा के 6 विधायक हैं। राजभर की पार्टी का पूर्वी उत्तर प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच काफी प्रभाव माना जाता है। पिछला विधानसभा चुनाव उन्होंने समाजवादी पार्टी से गठबंधन करके लड़ा। चुनाव में सपा की हार के बाद से ही ओमप्रकाश राजभर का झुकाव अपनी पूर्व सहयोगी पार्टी बीजेपी की तरफ होने की अटकलें लग रही हैं। बता दें कि राजभर की पार्टी ने 2017 में एनडीए गठबंधन के हिस्से के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन 2019 में वह गठबंधन से बाहर आ गए थे।

भाजपा के साथ गठबंधन करें या नहीं ? त्रिपुरा में सहयोगी IPFT में कलह जारी

अगरतला। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन को लेकर इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के भीतर आंतरिक कलह के साथ त्रिपुरा की राजनीतिक स्थिति एक अजीबोगरीब स्थिति में है। 2023 में होने वाले विधानसभा चुनावों पर नज़र रखते हुए स्वदेशी पार्टी इस सवाल पर विभाजित है कि क्या भगवा ब्रिगेड के साथ अपने चार साल के लंबे गठबंधन को जारी रखना है या शाही वंशज प्रद्योत किशोर देबबर्मा की पार्टी, टीआईपीआरए मोथा के साथ विलय करना है।

इस अप्रैल में नए आईपीएफटी अध्यक्ष के रूप में मेवाड़ कुमार जमातिया के चुनाव के बाद आईपीएफटी के भीतर दरार दिखाई देने लगी है। वहीं, एनसी देबबर्मा ने जमातिया की समिति को अवैध करार देते हुए 53 सदस्यीय समिति का पुनर्गठन किया। उन्होंने कहा, पूर्व समिति का गठन उचित दिशानिर्देशों का पालन किए बिना किया गया था। स्वदेशी पार्टी पिछले साल त्रिपुरा ट्राइबल एरिया ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के चुनावों में अपना खाता खोलने में विफल रही, लेकिन पार्टी प्रमुख एनसी देबबर्मा अपनी पार्टी को बाद में विलय करने के लिए तैयार नहीं हैं। शाही वंशज की पार्टी में जाने के लिए अपनी रुचि दिखा रहे हैं।

ग्रेटर टिपरालैंड की मांग ने आईपीएफटी द्वारा स्वदेशी समुदाय के लिए प्रस्तावित टिपरालैंड को पूरा करने में विफल रहने के बाद टीआईपीआरए मोथा पार्टी को स्वदेशी बस्तियों में अपना पैर जमाने में मदद की।

देबबर्मा ने कहा, ÷बीजेपी के साथ हमारा गठबंधन भविष्य में भी बरकरार रहेगा। इसके अलावा हमारी पार्टी अपनी इकाई बनाए रखेगी और किसी क्षेत्रीय पार्टी में विलय नहीं करेगी। हमारे नेताओं के एक वर्ग ने अफवाहें फैलाई।÷ आपको बता दें कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई के बारे में निर्णय लेने के लिए पार्टी ने एक अनुशासनात्मक समिति का गठन किया।

पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब के मंत्रिमंडल में आदिम जाति कल्याण और मत्स्य पालन मंत्री जमातिया को उनकी पार्टी के सहयोगी प्रेम कुमार रियांग को भाजपा के नए मंत्रिमंडल में नवनियुक्त मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा की अध्यक्षता में बदल दिया गया था। ऑक्टोजेरियन एनसी देबबर्मा को नए मंत्रिमंडल में शामिल किया गया और उन्हें राजस्व और वन विभाग सौंपा गया।

सक्रिय राजनीति में पांच दशक बिताने के बाद शांत और अनुभवी स्वदेशी नेता को अलग राज्य के आंदोलन के पीछे मुख्य स्रोत के रूप में जाना जाता था। एक पूर्व ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) स्टेशन निदेशक, देबबर्मा ने 2009 में आईपीएफटी को पुनर्जीवित किया, जिसमें टिपरालैंड की मांग को सबसे आगे रखा गया, जो कि स्वदेशी समुदायों के लिए एक अलग राज्य का दर्जा था। पूर्ववर्ती वाम मोर्चा शासित राज्य में यह आंदोलन लंबे समय तक नहीं चला।

बाद में, पार्टी ने त्रिपुरा और दिल्ली दोनों में देबबर्मा के नेतृत्व में टिपरालैंड के लिए दबाव बनाने के लिए कई विरोध प्रदर्शन आयोजित किए, जिसने भगवा पार्टी के बड़े लोगों का ध्यान आकर्षित किया जिन्होंने उन्हें वाम मोर्चे के लगातार दो दशक पुराने शासन को खत्म करने के लिए 2018 में उनके साथ टीम बनाने की पेशकश की।

इससे पहले आईपीएफटी का गठन 1997 में हुआ था लेकिन 2001 में यह खत्म हो गया।

जमातिया ने हालांकि कहा कि आईपीएफटी नेताओं का एक बड़ा वर्ग टीआईपीआरए मोथा के साथ काम करने के पक्ष में है, चाहे वह उसके साथ गठबंधन हो या विलय।

जमातिया ने कहा, मैंने चार साल तक आदिवासी कल्याण मंत्री के रूप में लोगों के लिए काम किया। मुझे लोगों से समर्थन मिलने की उम्मीद है।

इससे पहले मार्च में प्रद्योत किशोर ने अलग राज्य के लिए संयुक्त रूप से आवाज उठाने के लिए आईपीएफटी से अपील की थी। उन्होंने कहा, मैं आईपीएफटी को हमारे साथ शामिल होने और एक पार्टी बनने के लिए भी कहना चाहता हूं ताकि हम एक ही पार्टी से वही मांग उठा सकें।÷

आईपीएफटी के अंदरूनी कलह पर माकपा के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी ने कहा, पार्टी युवाओं को गुमराह कर रही है।

राजनीतिक पर नजर रखने वालों के अनुसार, विधानसभा चुनावों में आईपीएफटी के बहुमत हासिल करने की संभावना उनके आंतरिक मतभेदों के कारण धूमिल होती दिख रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती। - विनोबा भावे

संपादकीय

रिश्वत के बिना नेता कैसा?

(लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वह काम कर दिखाया है, जो आज तक देश का कोई प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री नहीं कर सका। क्या आपने सुना है कि किसी मंत्री को उसके अपने मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त ही नहीं किया बल्कि गिरफ्तार करवा दिया? मुख्यमंत्री मान ने अपने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. विजय सिंगला के खिलाफ यह ऐसी सख्त कार्रवाई की है, जिसका अनुकरण देश के हर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को करना चाहिए। सिंगला और उसके ओएसडी प्रदीपकुमार को इसलिए गिरफ्तार किया गया कि उन दोनों ने किसी ठेकेदार से 2 प्रतिशत रिश्वत मांगी। 58 करोड़ रु. के काम में यह रिश्वत बनती है, 1 करोड़ 16 लाख रु.! ठेकेदार ने मुख्यमंत्री से शिकायत कर दी। यह शिकायत 21 अप्रैल को की गई थी। मुख्यमंत्री ने इस मंत्री पर निगरानी बिठा दी। जब कल सिंगला को बुलाकर पूछताछ की गई तो उसने भगवंत मान के सामने रिश्वत की बात कबूल कर ली। प्रायः रिश्वतखोर नेता ऐसी बातों को कबूल करने से मना करते हैं और उन्हें किसी बहाने के आधार पर मंत्रिपद से हटा दिया जाता है। मुझे कई मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्रियों ने कई बार अपने ऐसे मंत्रियों के गोपनीय किस्से बताए हैं लेकिन असली सवाल यह है कि देश में कौनसा ऐसा नेता है, जो यह दावा कर सके कि सत्ता में रहते हुए उसने कभी रिश्वत नहीं ली है? ये बात अलग है कि कई बार लोग कुछ काम करवाने के लिए रिश्वत देने को मजबूर होते हैं और कई बार लोग रिश्वत को नजराने के तौर पर देते रहते हैं ताकि काम पड़ने पर उस रिश्वतखोर की मदद ली जा सके। भारत की ही नहीं, सारी दुनिया की राजनीति का चरित्र ही ऐसा बन गया है कि रिश्वत के बिना उसका काम चल ही नहीं सकता। किस-किस देश के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों पर भ्रष्टाचार के मुकदमे नहीं चले हैं और कौन-कौन हैं, जिन्होंने जेल नहीं भुगती है? वे भाग्यशाली हैं, जो जेल जाने से बच गए हैं। लगभग डेढ़-दो हजार साल पहले 'नीतिशतक' में महाराजा भर्तृहरि ने लिखा था कि ''राजनीति वेश्या की तरह है। वह बहुरुपधरा है। वह जमकर खर्च करती है और उसमें नित्य धन बरसता रहता है।'' इसीलिए सिंगला की पकड़ाई पर मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। आश्चर्य तो इस बात पर है कि इसी तरह के आरोपों पर अन्य राज्यों और केंद्र में क्या हो रहा है? क्या हमारे सारे मंत्री और अफसर दूध के धुले हैं? नेता लोग जो रिश्वत लेते हैं, उसका बड़ा हिस्सा प्रायः उनकी पार्टी के काम आ जाता है लेकिन उनकी देखादेखी जो अफसर रिश्वत खाते हैं, वे उसे पूरी तरह हजम कर जाते हैं। वे डकार भी नहीं लेते। झारखंड में अभी ऐसा ही एक मामला पकड़ा गया है। अफसरों की रिश्वतखोरी के कई मामले अभी भी सामने आ रहे हैं लेकिन ये तो फूल-पत्ते भर हैं। भ्रष्टाचार की असली जड़ तो नेताओं में निहित है। यदि नेता ईमानदार हों तो किसी अफसर की क्या हिम्मत कि वह रिश्वत लेने की इच्छा भी करे। जिस नौजवान को राजनीति में आगे बढ़ना है, उसे दो हथियार धारण करने जरुरी हैं। एक तो खुशामद और दूसरा रिश्वतखोरी! ये दोनों ही अत्यंत उच्च कोटि की कलाएं हैं।

आज के कार्टून

कर्मफल

श्रीराम शर्मा आचार्य

अहंकार और अत्याचार संसार में आज तक किसी को बुरे कर्मफल से बचा न पाए। रावण का असुरत्व यों मिटा कि उसके सवा दो लाख सदस्यों के परिवार में दीपक जलाने वाला भी कोई न बचा। कंस, दुर्योधन, हिरण्यकशिपु की कहानियां पुरानी पड़ गई। हिटलर, सालाजार, चंगेज और सकिंदर, नैपोलियन जैसे नर-संहारकों को किस प्रकार दुर्दिन देखने पड़े, उनके अंत कितने भयंकर हुए, ये भी अब अतीत की गाथाओं में जा मिले हैं। नागासाकी पर बम गिराने वाले अमेरिकन वैमानिक फ्रेड ओलीपी और हिरोशिमा के खलनायक मेजर ईथरली का अंत कितना बुरा हुआ, यह देख-सुनकर सैंकड़ों लोगों ने अनुभव कर लिया कि संसार संरक्षक के बिना नहीं है। इन पंक्तियों में लिखी जा रही कहानी ऐसे खलनायक की है जिसने अपने दुष्कर्मो का बुरा अंत अभी-अभी कुछ दिन पहले ही भोगा है। जलियावाला हत्याकांड की जब तक याद रहेगी तब तक जनरल डायर का डरावना चेहरा भारतीय प्रजा के मस्तिष्क से न उतरेगा। पंजाब में जन्मे, वहीं के अन्न और जल से पोषण पाकर अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर में सिख धर्म में दीक्षित होकर भी जनरल डायर ने हजारों आत्माओं को निर्दोष पिसवा दिया था। हंटर कमेटी ने उसके कार्यों की निंदा की। तत्कालीन भारतीय सेनापति ने उसके काम को बुरा ठहरा कर त्यागपत्र देने का आदेश दिया। फलतः अच्छी खासी नौकरी हाथ से गई, पर इतने भर को नियति की विधि-व्यवस्था नहीं कहा जा सकता। आगे जो हुआ, वो बताता है कि कर्म के फल रहस्यपूर्ण ढंग से मिलते हैं। 1921 में जनरल डायर को पक्षाघात हो गया, आधा शरीर बेकार हो गया। प्रकृति इतने से ही संतुष्ट न हुई फिर उसे गठिया हो गया। उसके संरक्षक माइकेल ओ'डायर की हत्या कर दी गई। उसे चलना-फिरना तक दूभर हो गया। ऐसी ही स्थिति में एक दिन उसके दिमाग की नस फट गई और लाख कोशिशों के बावजूद ठीक नहीं हुई। डायर सिसक-सिसक कर, तड़प-तड़प कर मर गया। उसके अंतिम शब्द थे-'मनुष्य को परमात्मा ने ये जो जीवन दिया है, उसे बहुत सोच-समझ कर बिताने वाले ही व्यक्ति बुद्धिमान होते हैं, पर जो अपने को मुझ जैसा चतुर और अहंकारी मानते हैं, जो कुछ भी करते न डरते हैं, न लजाते हैं, उनका क्या अंत हो सकता है? यह किसी को जानना हो तो इन प्रस्तुत क्षणों में मुझसे जान ले।'

संयम-सामंजस्य से बनेंगे खूबसूरत रिश्ते

क्षमा शर्मा

पिछले साल दिल्ली की एक अदालत ने गुजारा भत्ता मामले पर सुनवाई करते हुए कहा था कि आजकल रिश्तों में इतनी खटास बढ़ गई है कि पति-पत्नी सार्वजनिक तौर पर भी एक-दूसरे का अपमान करने से नहीं चूकते हैं। वे सारी हदें पार कर जाते हैं। अफसोस की बात है कि ऐसे मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। अदालत का यह विचार बहुत सही नजर आता है। देखा गया है कि बहुत ही मामूली बातों पर पति-पत्नी एक-दूसरे से लड़ने लगते हैं। भला-बुरा कहने लगते हैं। मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं। पहले जहां पति पत्नी को पीटने में अपनी शान समझते थे, अब पत्नियां भी पीछे नहीं रहतीं। कितने ही ऐसे वीडियो देखने में आए हैं, जहां शादी के अवसर पर जयमाला के वक्त, होने वाली पत्नी होने वाले पति को पीट रही है, पति अपनी पत्नी को। यों कहने को हम अहिंसा वाले देश में रहते हैं। इसके अलावा मीडिया का एक वर्ग पीटने वाली लड़कियों को किसी वीरांगना की तरह दिखाता है। कई साल पहले हिसार में हुआ केस तो आपको याद होगा। जहां दो बहनों ने बस में लड़कों को पीटा था। उन्हें रातोंरात लक्ष्मीबाई बना दिया गया था। बाद में पता चला था कि वे लड़कियां अक्सर ही ऐसा करती हैं और वीडियो बनवाती हैं। लड़कियां अपने प्रति हुए अन्याय का प्रतिकार करें, यह तो ठीक है, मगर वे पुरुषों को पीटने में ही अपनी वीरता देखने लगें, यह कहां तक जायज है। यदि पुरुष का महिला को पीटना, हिंसक होना गलत है, तो स्त्री का इस तरह से पीटना और प्रकारांतर से पुरुषों की नकल करना भी ठीक नहीं है। पुरुषों की जिस बात से महिलाओं को हमेशा परेशानी रही है, जिन आफतों को झेला है, उन्हीं की नकल क्यों की जाए। कोई कहेगा तो क्या हर तरह के अत्याचार को यूं ही सहते रहें। प्रतिकार न करें। कौन कहता है कि ऐसा न करें, लेकिन अगर कोई रिश्ता न चल रहा हो तो उससे अलग हुआ जा सकता है, उसमें मारपीट और सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के अपमान की तो कोई जरूरत नहीं। इसके अलावा किसी का अपमान या रिश्तों में टूटन सिर्फ हिंसा के कारण ही नहीं हो रहे हैं। ऐसे मामले आपने भी पढ़े होंगे कि स्त्री-पुरुष दोनों लम्बे समय से रिश्ते में थे, मगर शादी के बाद शादी कुछ महीने भी नहीं चली। ऐसी क्या बात हुई जो इतने सालों तक पता नहीं चली और शादी होते ही इतनी बड़ी बन गई कि अलग होने की नौबत आ गई। इतना ही नहीं, हनीमून से लौटते ही तलाक की अर्जी लगा दी जाती है। किसी ने किसी को जन्मदिन की शुभकामनाएं नहीं दीं, पालतू जानवर की उपेक्षा की, पसंद का खाना नहीं खिलाया, घूमने-फिरने नहीं जा सके, इस बात पर भी तलाक के मामले बढ़े हैं। कुछ साल पहले अकेले दिल्ली शहर में तलाक के बारह हजार मामले लम्बित थे। सोचिए कि पूरे देश में कितने होंगे। ये लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। शादी जैसा बड़ा फैसला लेने से पहले इस बात पर गम्भीरता से विचार किया जाना चाहिए कि अगर शादी को कुछ महीने में ही टूटना है, तो उसका होने का भी कोई फायदा नहीं। क्यों दोनों पक्षों के लोग परेशान हों। क्यों इतना पैसा खर्च हो। आज के दौर में जब शादी को धूमधाम से करने का दिखावा बहुत बढ़ चला है, उसमें दस-बीस लाख खर्च हो जाना मामूली बात है। पहले बहुत से लोग बच्चों के कारण रिश्ते को निभाते थे। अब ऐसा नहीं रहा। बच्चों के बावजूद रिश्ते टूट जाते हैं। बने भी रहते हैं तो बेहद कलह से भरे। पिछले दिनों एक ऐसी ही खबर आई थी, जिसमें एक बच्चा अपने माता-पिता की लड़ाई से इतना परेशान हुआ कि डिप्रेशन में चला गया। उसके इलाज के दौरान उसकी काउंसलिंग की गई। तब उसने बताया कि वह अपने माता-पिता की लड़ाई से तंग आ चुका था। वह इतना परेशान था कि उन्हें मार डालना चाहता था। माता-पिता को जब यह बताया गया तो वे हैरान रह गए। उन्होंने अपनी गलती मानी और कहा कि अब बच्चे की खातिर वे कभी नहीं लड़ेंगे। माता-पिता के संबंधों में कड़वाहट, एक-दूसरे का अपमान करने, बदले की भावना से बच्चों का जीवन कितना दूभर होता होगा। जब ये रिश्ता टूट जाता होगा तो उन पर क्या गुजरती होगी। बताया जाता है कि जो बच्चे माता-पिता को लड़ते और अलग होते देखते हैं, उन पर बहुत बुरा असर पड़ता है। कई बार वे जिंदगी भर उस दुःख और परेशानी से नहीं उबर पाते। सच यह है कि इन दिनों यह कोई

सिखाता ही नहीं कि मामूली बातों को बातचीत से सुलझाया जा सकता है। एक-दूसरे की देखभाल से, समझदारी से आखिर ऐसी कौन-सी बात है जो सुलझाई न जा सके। लेकिन इन दिनों जोर इस बात पर ज्यादा है कि फौरन के फौरन हिसाब-किताब बराबर कर लें। मारपीट करें, पुलिस के पास जाएं और कोर्ट तक मामला पहुंचाएं। जबकि अपने देश में ये सारी बातें इतनी आसान भी नहीं हैं। बात से बात बढ़ती है और एक चुप सौ को हराती है, इस कहावत को हम भूल गए हैं। हमारे युवाओं को तो जैसे यह मालूम ही नहीं है। उनके लिए जीवन भी जैसे टू मिनट नूडल की तरह हो चला है। हर बात का फैसला अभी के अभी करना है। जबकि कई बार होता यह है कि अभी जो बात बहुत बड़ी लग रही थी, कुछ दिनों बाद वह बहुत मामूली लगने लगती है। लेकिन एक बार जो बात बढ़ती है तो बढ़ती ही चली जाती है। कोई किसी से कम नहीं दिखना चाहता, न चुप रहना चाहता है। अगर अभी नहीं तो कभी नहीं। इसी भावना से कई बार अच्छे-बुरे का भी ध्यान नहीं रहता और बात बिगड़ती चली जाती है। जरा ठहरिए, सोचिए कि जब बड़े से बड़े विश्वयुद्ध के बाद अंत में समझौते करने पड़ते हैं, तो एक जीवन को चलाने के लिए ऐसा क्यों नहीं हो सकता। क्योंकि जीवन है तभी तक सब कुछ है, रिश्ते-नाते, हंसी-खुशी, मान-अपमान है। बेहतर है कि जीवन खूबसूरत बने। वहां एक-दूसरे का सम्मान हो, न कि हर वक्त की तू-तू, मैं-मैं और कीचड़ की बरसात।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संतोष और संकल्प से मानवता की सेवा

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

हम भौतिकता की दौड़ में आज ऐसे दौड़ रहे हैं कि कैसे भी संसार की सारी दौलत हमारी हो जाए। आए दिन समाचारपत्रों में पढ़ने को मिलता है कि अमुक व्यापारी या बड़े अधिकारी या किसी नेता के घर पर पड़े छापों में करोड़ों का काला धन पकड़ा गया, जिसे गिनने के लिए भी मशीनें लगानी पड़ीं। ऐसे समाचारों को पढ़कर सामान्य आदमी के मन में एक ही विचार आता है कि यह सब क्यों किया जाता है? आदमी को भूख लगने पर अनाज की रोटियां ही तो खानी होती हैं न? क्या राजा, महाराजा, नेता या सेठ कभी सोना या चांदी खा कर जिंदा रहे हैं? जाने कब से हमें मस्त मौला कबीर कहता आ रहा है :-

'सांई इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय।
मैं भी भूखा ना रहूं, साधु ना भूखा जाय।'

यही क्यों, रहीम ने तो इससे भी बड़ी बात सदियों पहले कहकर हमें जीवन का मर्म बताया था :-

'गोधन, गजधन, बाजिधन, और रतनधन खान।
जब आवै संतोष धन, सब धन धूरी समान।'

लेकिन, आदमी है कि समझता ही नहीं और धन की दौड़ में अपने 'मन' को खो बैठता है और फिर ढेर ऐश्वर्य होने के बाद भी, दो पल की नींद के लिए तरसता और तड़पता रहता है। हाल ही में मुझे मेरे एक आत्मीय ने बहुत प्रेरक और मन को छूने वाली पोस्ट भेजी, जिसे मैं आप सबसे साझा करना चाहता हूं :-

'एक बुजुर्ग शिक्षिका भीषण गर्मियों के दिन में किसी बस में सवार हुईं। वह पैरों के दर्द से बेहाल थी, लेकिन बस में खाली सीट न देख कर जैसे-तैसे खड़ी हो गईं। उसने कुछ ही दूरी तय की थी कि एक उम्रदराज गरीब-सी दिखने वाली औरत ने बड़े सम्मानपूर्वक उसे आवाज़ दी- 'आ जाइए मैडम, आप यहां बैठ जाइए।' और शिक्षिका को उसने अपनी सीट पर बैठा दिया। खुद वह गरीब-सी औरत बस में खड़ी हो गई। मैडम ने उसे दुआएं दीं- 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सच कहूं, आज मेरी बुरी हालत थी, पैरों में बहुत दर्द है मेरे।' बुजुर्ग महिला की बात सुनकर उस गरीब महिला के चेहरे पर एक सुकून भरी मुस्कान फैल गई। कुछ देर बाद शिक्षिका के पास वाली सीट खाली हो गई, लेकिन उस महिला ने एक और महिला को, जो एक छोटे बच्चे को गोद में लिए हुए यात्रा कर रही थी और मुश्किल से बच्चे को संभाल पा रही थी, उस खाली सीट पर बिठा दिया और स्वयं खड़ी ही रही। अगले पड़ाव पर बच्चे के साथ खड़ी महिला भी उतर गई, तो वह सीट खाली हो गई, लेकिन उस नेकदिल महिला ने बैठने का लालच नहीं किया, बल्कि बस में चढ़े एक कमजोर बूढ़े आदमी को वहां बैठा दिया, जो अभी-अभी बस में चढ़ा था। कुछ देर बाद सीट फिर से खाली हो गई। बस में अब गिनी-चुनी सवारियां ही रह गईं थीं। अब उस अध्यापिका ने गरीब महिला को अपने पास बिठाया और प्यार से पूछा, 'एक बात बताओ, वह सीट कितनी बार खाली हुई, लेकिन तुम दूसरे लोगों को ही वहां बैठाती रही। खुद उस खाली सीट पर तुम नहीं बैठी? यह क्या बात है?' गरीब महिला ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैडम, मैं एक बहुत ही गरीब मजदूर हूं। मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं कि मैं कुछ दान कर सकूं।' इसलिए मैं क्या करती हूं कि कहीं रास्ते में पड़े पत्थर को उठाकर एक तरफ कर देती हूं, ताकि किसी को ठोकर न लगे। कभी किसी जरूरतमंद को पानी पिला देती हूं, तो कभी बस में किसी मजबूर के लिए सीट छोड़ देती हूं। फिर जब सामने वाला मुझे हंस कर दुआएं देता है, तो मैं अपनी गरीबी भूल जाती हूं। सच कहूं, मेरी दिन भर की थकान दूर हो जाती है। और तो और, जब मैं दोपहर में अपनी रोटी खाने के लिए बैठती हूं ना, बाहर बेंच पर, तो ये पंछी-चिड़ियां पास आ के बैठ जाते हैं, तो उन्हें भी रोटी तोड़कर डाल देती हूं छोटे-छोटे टुकड़े करके। जब वे पंछी खुशी से चिल्लाते हैं, तो उन भगवान के जीवों को देखकर मेरा पेट भर जाता है। पैसा धेला न सही, सोचती हूं, मुझे दुआएं तो मिल ही जाती हैं न मुफ्त में। मेरा तो फायदा ही है न? और हमने लेकर भी क्या जाना है यहां से?' उस अनपढ़, गरीब मजदूर औरत की सीधी-सी बातें सुनकर बुजुर्ग शिक्षिका अवाक रह गई। एक अनपढ़-सी दिखने वाली बेहद गरीब महिला उसे इतना बड़ा पाठ जो पढ़ा गई थी। शिक्षिका सोच रही थी कि अगर दुनिया के आधे लोग भी ऐसी सोच को अपना लें, तो अपनी यह धरती स्वर्ग बन जाएगी। अमेरिका के विश्व धर्म सम्मेलन में व्याख्यान देकर भौतिकता की चकाचौंध में डूबे अमेरिका को अपना अनुयायी बनाने वाले स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 'कंदराओं में बैठकर तपस्या करने से मोक्ष नहीं मिलेगा, मोक्ष मिलेगा जीवित दरिद्र नारायण की सेवा करने से।' लेकिन, जाने क्यों, धन और ऐश्वर्य की दौड़ में हम अपनी संस्कृति को ही भूल गए हैं। 'कामायनी' की श्रद्धा ने मनु को जो जीवन-मर्म बताया था, वही सत्य हमें आज फिर से याद रखना होगा :-

'अपने में भर सब कुछ कैसे,
व्यक्ति विकास करेगा?
यह एकांत स्वार्थ है भीषण,
अपना नाश करेगा।'

आइए, हम कुछ देर तो मन की भी सुनें, ताकि चैन की नींद के लिए हमें गोलियां खाने की जरूरत न पड़े और हम अपने जीवन को सुख से जी सकें।

सू-दोकू नवताल -2125

1	6			8		4	3	5
3	8		4	1	7		2	9
		9						
			2			1		7
8	7			4			9	6
6		2			9			
						8		
4	2		5	6	8		7	3
9	3	8		2			6	1

सू-दोकू 2124 का हल

2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2125

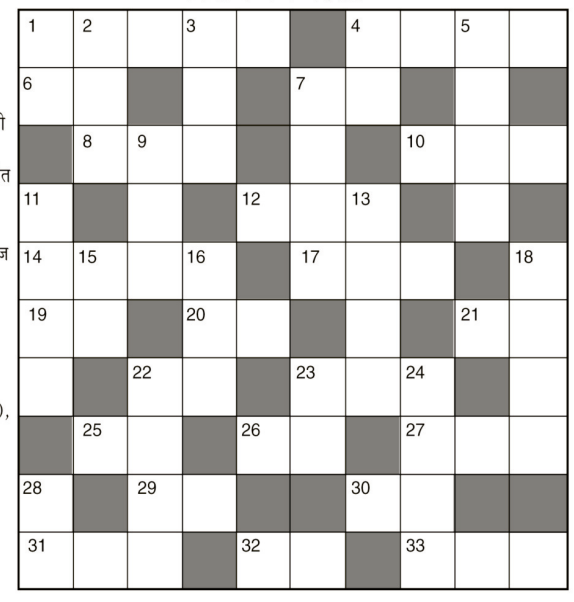

बायें से दायें:-

1. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-4
6. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-2
8. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-3
10. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-3
12. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-3
14. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-4
17. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
19. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-2
20. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-2
21. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-2
22. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्र, रवीना, लारा की फिल्म-2
23. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-3
25. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-2
26. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-2
27. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
29. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-2
30. 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-2
31. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
32. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-2
33. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-3

ऊपर से नीचे:-

हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
11. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-4
13. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
15. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-2
16. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
18. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-4
22. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
23. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-2
24. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-4
28. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2124

त्रि	शु	ल		ग	दा	र		धा	
दे		गा	य	ब		ह	म	रा	ज
व	च	न		न	ग	मा		वी	रू
	र		घ		ज	न	म		र
ती	स	री	मं	जि	ल		दा	व	त
स			डी			नू	री		
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प	
कौ	न			प		न	व	रं	ग
न		अ	नु	रा	ग			प	
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध

1. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-2
2. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-3
3. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-3
4. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-2
5. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-4
7. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
9. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र,

ईएसआईसी योजना से मार्च में 14.05 लाख नए सदस्य जुड़े

नई दिल्ली । कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की सामाजिक सुरक्षा योजना में मार्च, 2022 में लगभग 14.05 लाख नए सदस्य शामिल हुए, जबकि इससे पिछले महीने में यह आंकड़ा 12.70 लाख था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी रिपोर्ट से इसकी जानकारी मिली है। आंकड़ों के मुताबिक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की योजनाओं से सकल रूप से 2021-22 में 1.49 करोड़ लोग जुड़े, 2020-21 में 1.15 करोड़ और 2019-20 में यह आंकड़ा 1.51 करोड़ का था, जबकि 2018-19 में इससे 1.49 करोड़ नए सदस्य जुड़े थे। सितंबर, 2017 से मार्च, 2018 के बीच ईएसआईसी योजना से 83.35 लाख नए सदस्य जुड़े थे। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर, 2017 से मार्च, 2022 के बीच कुल नई सदस्यता का आंकड़ा 6.48 करोड़ था।

टैक्सबडी ने वित्तपोषण राउंड में जुटाए 21 लाख डॉलर

मुंबई । ऑनलाइन परामर्श देने वाली कंपनी टैक्सबडी डॉट कॉम ने बुधवार को बताया कि संयुक्त अरब अमीरात स्थित जेनिथ ग्लोबल द्वारा आयोजित वित्तपोषण कवायद में उसने 21 लाख डॉलर (करीब 16 करोड़ रुपए) जुटाए हैं। भारतीय राजस्व सेवा के एक पूर्व अधिकारी ने यह कंपनी 2019 में शुरू की थी जिसमें स्वचालन प्रौद्योगिकियों का उपयोग परामर्श देने के लिए किया जाता है। कंपनी ने एक बयान जारी करके कहा कि इस कोष का उपयोग प्रौद्योगिकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। कंपनी का कहना है कि उसके मंच पर 4.5 लाख उपयोगकर्ता हैं। जेनिथ इससे पहले भी कंपनी में निवेश कर चुकी है, 2020 में उसने इसमें पहली बार 10 लाख डॉलर का निवेश किया था।

मार्स रिंगली ने नया फ्लेवर लॉन्च किया

मुंबई । मार्स रिगली ने स्निकर्स के नए फ्लेवर को लॉन्च किया है। मार्स रिंगली ने कहा कि स्निकर्स केसर पिस्ता नट पिस्ता के साथ मसाले केसर का एक अनोखा कॉम्बिनेशन है। कंपनी ने कहा कि यह स्वाद पूरे भारत में तैयार की जाने वाली मिठाइयों में अक्सर पाया जाता है। यह स्वाद होने के साथ-साथ सॉफ्ट भी है।

आयात शुल्क में छूट से खाने के तेल में आएगी नरमी

नई दिल्ली । केंद्र ने सालाना 20-20 लाख टन कच्चे सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के आयात पर सीमा शुल्क तथा कृषि अवसंरचना उपकर को मार्च, 2024 तक हटाने की घोषणा की है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के अनुसार सालाना 20 लाख टन कच्चे सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 में आयात शुल्क नहीं लगाया जाएगा। सरकार का मानना है आयात शुल्क में इस छूट से घरलू कीमतों में नरमी आएगी और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक ट्वीट में लिखा` कि यह निर्णय उपभोक्ताओं को महत्वपूर्ण राहत प्रदान करेगा। इससे घरेलू स्तर पर कीमतों को नीचे लाने में मदद मिलेगी। बताया जा रहा है` कि सरकार के इस फैसले से सोयाबीन तेल के दाम तीन रुपए प्रति लीटर तक नीचे आएंगे। सरकार ने 20-20 लाख टन कच्चे सोयाबीन और सूरजमुखी तेलों के लिए शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। टीआरक्यू के तहत सीमा शुल्क और 5.5 प्रतिशत का कृषि अवसंरचना कर हट जाएगा। गौरतलब है कि सरकार ने तेल की बढ़ती कीमतों के बीच पिछले सप्ताह पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाया था। साथ ही इस्पात और प्लास्टिक उद्योग में इस्तेमाल होने वाले कुछ कच्चे माल पर आयात शुल्क भी हटाने का निर्णय लिया था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी कंपनियों के शेयरों में हुई भारी बिकवाली से बाजार ने शुरुआती बढ़त खो दी। इस कारण सेंसेक्स 300 से अधिक अंक नीचे खिसक गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 303.35 अंक करीब 0.56 फीसदी नीचे आकर 53,749.26 अंक पर पहुंचा गया हालांकि बीच में यह 54,379.59 अंक के उच्चस्तर तक पहुंचने के बाद 53,683.16 अंक के निचले स्तर तक आया। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 99.35 अंक तकरीबन 0.62 फीसदी नीचे आकर 16,025.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स, टीसीएस, विप्रो, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एमएंडएम के शेयर सबसे ज्यादा गिरे हैं। वहीं, दूसरी ओर एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, नेस्ले, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। गत दिवस भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी बाजार में मंदी की आशंका से भी घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा है जिससे वह नीचे आया है। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर, 2021 से ही अब तक भारतीय पूंजी बाजार से 2.5 लाख करोड़ रुपये यानी करीब 32 अरब डॉलर निकाले हैं। यह शेयर बेचकर पैसे निकालने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, जो इतने कम समय में इतनी बड़ी राशि की निकासी की गई है। इससे भी बाजारा धारणा कमजोर हुई है। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ के साथ बंद हुए जबकि जापान के निक्की में कमजोरी रही।

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपये में तेजी आई है। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 77.54 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं विदेशों में डॉलर के मजबूत होने से रुपये की तेजी कुछ हद तक रुकी है। दूसरी ओर अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 77.54 पर खुला और दिन के कारोबार के दौरान 77.44 से लेकर 77.57 के दायरे में रहने के बाद अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे ऊपर आकर 77.54 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जबकि गत दिवस रुपया 77.57 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.36 फीसदी बढ़कर 102.22 पहुंच गया।

चीनी निर्यात पर रोक से चीनी कंपनियों के शेयरों में जोरदार बिकवाली

मुंबई । चीनी निर्यात की सीमा तय करने और इसके निर्यात पर रोक लगाने से चीनी कंपनियों के शेयरों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन भारी बिकवाली हुई। इससे पहले निर्यात पर पाबंदी लगाने की अटकलों से मंगलवार को भी निवेशकों में भगदड़ मच गई थी। उनमें चीनी कंपनियों के शेयर बेचने की होड़ लग गई थी। केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर 1 जून, 2022 से चीनी का निर्यात रोकने की घोषणा की है। भारी बिकवाली की वजह से बुधवार को लगभग सभी चीनी कंपनियों के शेयर गिरावट पर रहे। डालमिया भारत शुगर इंडस्ट्रीज के शेयर में सबसे ज्यादा गिरावट आई। एनएसई पर यह 14.04 फीसदी लुढ़क कर 351.20 पर बंद हुआ। जबकि मगध शुगर एंड एनर्जी के शेयर 10.74 फीसदी की गिरावट के साथ 282.90 रुपये पर बंद हुए। मंगलवार को भी यह शेयर करीब 10 फीसदी टूटा था। इस तरह, द्वारिकेष शुगर इंडस्ट्रीज और उत्तम शुगर का शेयर 9 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुआ। द्वारिकेष शुगर 9.83 फीसदी की कमजोरी के साथ 99.10 रुपये पर बंद हुआ। जबकि उत्तम शुगर 9.14 फीसदी टूटकर 246.50 रुपये पर लुढ़क गया। बलरामपुर शुगर का शेयर एनएसई पर 7.88 फीसदी गिरकर 358.50 रुपये पर पहुंच गया। दो दिन में इसमें 54.40 रुपये की गिरावट आई है। सोमवार को इसका बंद भाव 412.90 रुपये था। धामपुर शुगर और उगर शुगर के शेयरों में लगातार दूसरे दिन 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। बाजार में कारोबार की शुरुआत होते ही इनमें लोअर सर्किट लग गया।

मजबूरी में महंगी कीमतों में कोयला खरीद रही कंपनियांः सीसीएआई

नई दिल्ली ।

भारतीय कोयला उपभोक्ता संघ (सीसीएआई) ने कहा है कि उपभोक्ताओं को महंगे दाम पर कोयला खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। संघ ने इस मामले में सरकार से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया ताकि संकट में फंसे उद्योगों को नया जीवन दिया जा सके। सीसीएआई ने कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी को लिखे एक पत्र में कहा है कि कई कंपनियों को अपने संयंत्रों को चालू रखने के लिए ऊंची दरों पर कोयला खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। देश के कई हिस्सों में कोयले की किल्लत देखी जा रही है। हाल ही में महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) की ई-नीलामी में कोयले के भाव अधिसूचित कीमत की 800 प्रतिशत ऊंचाई पर पहुंच गए। इसकी वजह से कुछ कंपनियों को सिर्फ अपने संयंत्रों को चालू रखने के लिए महंगे दाम पर कोयला खरीदना पड़ा तो कई कंपनियों ने नीलामी से दूर ही रहने का फैसला किया। ईंधन आपूर्ति करार के अनुरूप आवंटित मात्रा में कोयले की आपूर्ति नहीं की जा रही है जबकि कोयला कंपनियां हाजिर ई-नीलामी कर रही हैं जिनमें कोयले का भाव मार्च से अप्रत्याशित तौर पर बढ़ गया है। ऐसे में गैर-विनियमित क्षेत्र के कई उपभोक्ताओं के लिए जरूरी मात्रा में खरीदारी कर पाना मुमकिन नहीं रह गया है। पत्र के मुताबिक कोयले की सीमित आपूर्ति होने से उद्योगों को उत्पादन में कमी करने और संयंत्रों को तात्कालिक तौर पर बंद करने का फैसला करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सीसीएआई ने कहा है कि सरकार को इसमें सुधार के लिए दखल देना चाहिए। एक ही समूह की कंपनियों को एक से दूसरे संयंत्र में कोयला हस्तांतरित करने की छूट भी दी जाए। इससे जरूरतमंद संयंत्रों तक कोयला पहुंचाया जा सकेगा।

वित्त मंत्रालय का कोयला विभाग से अनुरोध, कोल इंडिया उत्पादन बढ़ाए

नई दिल्ली ।

बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और इसकी कमी न होने इसके लिए बिजली मंत्रालय ने कोयला मंत्रालय से चालू वित्त वर्ष में कोल इंडिया लिमिटेड और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड(एससीसीएल) के उत्पादन को 10 से 12 प्रतिशत बढ़ाने को लेकर कदम उठाने का आग्रह किया है। जानकारी के मुतो बिक बिजली मंत्रालय ने अनौपचारिक रूप से मामले को कोयला मंत्रालय के समक्ष रखा है। इस बारे में औपचारिक बातचीत जल्द की जाएगी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की निगरानी वाले 155 तापीय बिजलीघरों में 23 मई, 2022 की स्थिति के अनुसार तय मानकों का 25 प्रतिशत कोयला भंडार था। इन संयंत्रों की क्षमता 1,64,000 मेगावॉट है। सूत्र ने अनुसार चालू वित्त वर्ष में विद्युत क्षेत्र के निजी उपयोग वाली खदानों से कोयले का उत्पादन 43 प्रतिशत बढ़कर 12 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में सीआईएल और एससीसीएल से उत्पादन में मात्र चार से छह प्रतिशत वृद्धि की संभावना है। कोल इंडिया ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए विद्युत क्षेत्र को 54 करोड़ टन कोयला उपलब्ध कराया जबकि एसईसीएल ने 5.36 करोड़ टन कोयला उपलब्ध कराया है। अनुमानों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में कोल इंडिया बिजली क्षेत्र को 56.5 करोड़ टन टन तथा एससीसीएल 5.7 करोड़ टन कोयला उपलब्ध करा सकती है।

विश्व बैंक ने कहा- श्रीलंका को नए कर्ज देने की खबरें गलत

कोलंबो । आर्थिक संकट झेल रहे श्रीलंका को विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) तब तक नया कर्ज नहीं देगा जब तक कि देश की अर्थव्यवस्था संबंधी पर्याप्त व्यापक आर्थिक नीति रूपरेखा नहीं बनाई जाती। विश्व बैंक ने बयान जारी करके यह कहा है। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि विश्व बैंक श्रीलंका को आर्थिक संकट से उबारने के लिए ब्रिज लोन या नई ऋण प्रतिबद्धताओं के रूप में समर्थन देने की योजना बना रहा है। हालांकि बैंक ने कहा कि वह पहले से आवंटित संसाधनों में परिवर्तन कर रहा है ताकि आवश्यक दवाएं एवं अन्य नकद सहायता दी जा सके। विश्व बैंक ने कहा` कि हाल में मीडिया में आई खबरों में कहा गया था कि विश्व बैंक ब्रिज लोन या नई कर्ज प्रतिबद्धताओं के रूप में श्रीलंका की मदद करने जा रहा है। यह गलत है। इसमें कहा गया है` कि हमें श्रीलंका के लोगों की चिंता है और हम अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा अन्य विकास साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि देश को आर्थिक स्थिरता बहाल करने के लिए उचित नीतिगत सलाह दे सकें। जब तक एक पर्याप्त व्यापक आर्थिक नीति रूपरेखा नहीं बनती तब तक विश्व बैंक श्रीलंका को नए वित्तपोषण की पेशकश नहीं करेगा।

देश में सौर क्षमता में तीन हजार मेगावॉट से अधिक की वृद्धि - रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

भारत में जनवरी-मार्च, 2022 की तिमाही में 3,000 मेगावॉट से अधिक की सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित हुई है। शोध कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 50 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल की समान अवधि में दो हजार मेगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई थी। रिसर्च की 2022 की पहली तिमाही की भारतीय सौर बाजार पर रिपोर्ट में कहा गया है, भारत ने 2022 की पहली तिमाही में 3,000 मेगावॉट से अधिक की सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ी है। सालाना आधार पर यह 50 प्रतिशत की वृद्धि है।''

रिपोर्ट कहती है, 2022 की पहली तिमाही में 2700 मेगावॉट बड़े स्तर की सौर ऊर्जा स्थापित की गई। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर यह 23 प्रतिशत और सालाना आधार पर 53 प्रतिशत की वृद्धि है। बड़े स्तर की सौर परियोजनाओं का कुल सौर क्षमता स्थापना में 85 प्रतिशत का हिस्सा रहा। वहीं समीक्षाधीन अवधि में छत पर यानी रूफटॉप सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत रही। अब भारत की सौर ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता 52 हजार मेगावॉट हो गई। रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार की ओर से थोड़ी से मदद से 2022 में 60,000 मेगावॉट की बड़े स्तर की सौर ऊर्जा स्थापना का लक्ष्य पार हो जाएगा।''

स्पाइसजेट ने क्रेडिट सुइस के साथ विवाद का निपटारा किया

मुंबई ।

घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने बुधवार को कहा कि उसने स्विट्जरलैंड की वित्तीय सेवा कंपनी क्रेडिट सुइस के अपने लंबित विवाद को सुलझाते हुए समझौता और सहमति शर्तों पर हस्ताक्षर किए हैं। विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा कि 23 मई को तय हुईं समझौता एवं सहमति शर्तों को अंतिम आदेश के लिए उच्चतम न्यायालय के समक्ष दाखिल किया गया है। स्पाइसजेट ने अधिक ब्यौरा तो नहीं दिया, हालांकि यह बताया कि विवाद निपटारा की व्यवस्था के तहत एक निश्चित राशि का भुगतान पहले किया जाएगा और बाकी की राशि पारस्परिक रूप से तय समयसीमा में दी जाएगी। एयरलाइन ने कहा कि मामले में मद्रास उच्च न्यायालय के निर्देश के तहत 50 लाख डॉलर की बैंक गारंटी पहले ही उपलब्ध करवा दी गई है।

सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारमें सोना और चांदी बुधवार को गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं और इसका असर भारतीय सर्राफा बाजार पर भी` दिखाई दे रहा है। यहां सोना और चांदी दोनों लाल निशान में नजर आ रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर बुधवार को सोना गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है और इसमें 100 रुपए से ज्यादा की गिरावट देखी जा रही है.

एमसीएक्स पर सोना 121.00 रुपए की गिरावट के साथ 51,036 रुप, प्रति 10 ग्राम है। बता दें कि ये सोने का ये भाव जून वायदा के लिए है। चांदी भी निचले दायरे में कारोबार कर रही है और ये कुछ सस्ती हुई है। चांदी के दाम 80.00 रुपए की गिरावट के साथ 61,896 रुपए प्रति किलो पर कारोबार कर रहे हैं। चांदी के ये दाम जुलाई वायदा कारोबार के तहत लिए गए हैं। दिल्ली में सोने के दाम तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के 22 कैरेट और 24 कैरेट दोनों में तेजी देखी जा रही है। दिल्ली में 22 कैरेट सोने के दाम 150 रुप, की तेजी के साथ 47,900 रुपए पर कारोबार कर रहे हैं. वहीं 24 कैरेट सोने के दाम 160 रुपए की तेजी के साथ 52,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहे हैं। मुंबई में 22 कैरेट सोने के दाम 150 रुपए की तेजी के साथ 47,900 रुपए पर कारोबार कर रहे हैं। वहीं 24 कैरेट सोने के दाम 160 रुपए की तेजी के साथ 52,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहे हैं।

दक्षिण राज्यों में आटा की मांग बढ़ी !

नई दिल्ली ।

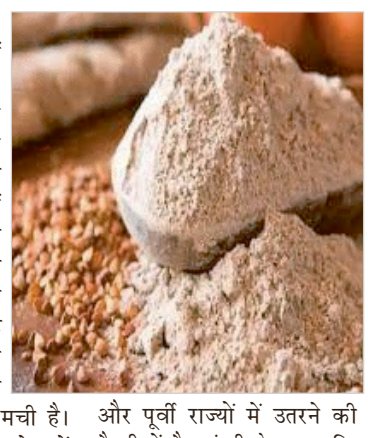

देश के दक्षिणी राज्यों में परंपरागत रूप से चावल खाया जाता है और गेहूं की मांग नहीं के बराबर है। लेकिन कोरोना महामारी के कारण वहां के लोगों की खानपान की आदत में थोड़ा बदलाव आया है। अब वहां अब आटे की मांग बढ़ रही है और पैकेज्ड आटा बेचने वाली कंपनियों में इसका फायदे उठाने की होड़ मची है। कंपनी सूत्रों के मुताबिक देश में पैकेज्ड आटे की कुल खपत में दक्षिण राज्यों का हिस्सा 18 फीसदी है। यह साल 2020 में 15 फीसदी था। जानकारों का कहना है कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत चावल के साथ आटा भी दिया गया। इस कारण दक्षिणी राज्यों में आटे की खपत बढ़ी है। आईटीसी ने 20 साल पहले आशीर्वाद आटे को लॉन्च किया था और आज पैकेज्ड एंड ब्रांडेड आटा मार्केट में इसकी हिस्सेदारी 58 फीसदी है। दक्षिण भारत के पैकेज्ड एंड ब्रांडेड आटा मार्केट में आशीर्वाद की हिस्सेदारी 90 फीसदी है। उत्तरी और पश्चिमी राज्यों में आटा बेचने वाली कंपनी पार्ले प्रॉडक्ट्स भी अब दक्षिणी और पूर्वी राज्यों में उतरने की तैयारी में है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दक्षिणी राज्यों में गेहूं स्टैपल फूड में शामिल नहीं है लेकिन अब वहां पैकेज्ड आटे के चलन बढ़ रहा है। पार्ले प्रॉडक्ट्स दो दशक पहले आटा मार्केट में उतरी थी और कुछ साल पहले उसने फिर इस बाजार में प्रवेश किया है। जानकारों का कहना है कि ब्रांडेड एंड पैकेज्ड आटा मार्केट में दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी 27 फीसदी है। ब्रांडेड आटे की कीमत हमेशा ज्यादा होती है। अगर 10 किलो पैकेज्ड आटे की कीमत 380 रुपये है तो ब्रांडेड आटे की कीमत 400 से 410 रुपये होगी। यही कारण है कि लोग ब्रांडेड आटा खरीदने के बजाय चक्की से आटा पिसवाना पसंद करते हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंगः कोहली, रोहित और अश्विन टॉप 10 में बरकरार

दुबई। (एजेंसी)।

बांग्लादेश के लिटन दास और श्रीलंका के अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज को दोनों टीमों के बीच ड्रॉ हुए पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम पुरुष टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है जबकि शीर्ष 10 खिलाड़ियों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बल्लेबाजों की सूची में मार्नस लाबुशेन शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली क्रमशः आठवें और 10वें स्थान पर बने हुए हैं। गेंदबाजी सूची में पैट कमिंस (901 अंक) ने दूसरे स्थान पर मौजूद रविचंद्रन अश्विन पर 51 अंक की बढ़त बना रखी है जबकि भारत के ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीसरे स्थान पर हैं।

भारत के रविंद्र जडेजा आलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं। पिछली और मौजूदा रैंकिंग के दौरान सिर्फ श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला का मुकाबला हुआ इसलिए सिर्फ इन दो देशों के खिलाड़ियों ने अंक हासिल

किए। पहले टेस्ट में बांग्लादेश की एकमात्र पारी में 88 रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास तीन स्थान के फायदे के 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस मुकाबले में मैन आफ द मैच रहे मैथ्यूज पहली पारी में 199 रन बनाकर पांच स्थान के फायदे से 21वें पायदान पर हैं।

रैंकिंग के सप्ताहिक अपडेट में पहले टेस्ट में शतक जड़ने वाले बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम और तमीम इकबाल को भी फायदा हुआ है। मुशफिकुर 105 रन की पारी की मदद से चार स्थान आगे बढ़कर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तमीम छह स्थान के फायदे से 27वें पायदान पर हैं। तमीम ने 133 रन की पारी खेली थी। गेंदबाजों की रैंकिंग में बांग्लादेश के आलराउंडर शाकिब अल हसन एक स्थान आगे बढ़कर 29वें पायदान पर हैं। शाकिब ने पहले टेस्ट में चार विकेट चटकाए। आफ स्पिनर नईम हसन पहली पारी में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 105 रन पर छह विकेट चटकाने के बाद नौ स्थान के फायदे से 53वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के तेज गेंदबाज कासुन रजीता 75वें से 61वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने चार विकेट चटकाए थे। असित फर्नांडो भी शीर्ष 100 में शामिल हो गए हैं।

सोंगा ने टेनिस से संन्यास लिया

पेरिस (एजेंसी)।

फ्रांस के जो विलफ्राइड सोंगा ने फ्रेंच ओपन पुरूष एकल वर्ग में कैस्पर रूड के हाथों मिली हार के साथ ही टेनिस से संन्यास ले लिया। रूड ने सोंगा को को 6-7, 7-6, 6-2, 7-6 से हराया। सोंगा साल 2008 आस्ट्रेलियाई ओपन फाइनल तक पहुंचे और डेविस कप विजेता फ्रांस की टीम के सदस्य भी रहे। उनका कैरियर हालांकि चोटों से प्रभावित रहा और पिछले साल 36 वर्ष का होने पर उन्होंने साल में 18 मैच खेलना ही तय किया था। अपने कैरियर में वह विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान तक पहुंचे थे। इस खिलाड़ी ने अपने परिवार और घरेलू दर्शकों के सामने टेनिस को अलविदा कहते हुए कहा ,'' मैने ऐसा माहौल कभी नहीं देखा। इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। अगर मैं जीत पाता तो और भी अच्छा होता।'' वहीं एक अन्य मैच में डेनमार्क के होल्गर रूने ने डेनिस शापोवालोव को 6-3, 6-1, 7-6 से जबकि सिटसिपास ने लोरेंजो मुसेटी को 5-7, 4-6, 6-2, 6-3, 6-2 से हराया। वहीं दूसरी ओर महिला वर्ग में येलेना ओस्टापेंको, सिमोना हालेप, सातवीं वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका, नौवीं वरीयता प्राप्त डेनियेले कोलिंस और 11वीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गई हैं।

दूसरे क्वालीफायर पर हैं बटलर की नजरें

कोलकाता (एजेंसी)।

राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा है कि हमारी टीम के पास अभी भी अवसर है और हम दूसरे क्वालीफायर मैच में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। दूसरा क्वालीफायर मुकाबला 27 मई को खेला जाएगा। बटलर ने माना कि टीम पहले क्वालीफायर में हार से निराश है पर अब भी टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले क्वालीफायर में मुझे बल्लेबाजी के दौरान परेशानी हुई थी। बटलर ने कहा कि वह इस अहम मैच में लंबी पारी खेलना चाहते थे। इसलिए शुरुआत में धीमी बल्लेबाजी कर रहे थे। बटलर ने इस सत्र में अब तक के 15 मैचों में 718 रन हैं। पहले क्वालीफायर में शुरू में उन्हें खेलने में परेशानी और 39 रन बनाने के लिए उन्होंने 38 गेंदें खेली लेकिन लय पकड़ने के बाद बटलर ने अगले 50 रन 18 गेंद में बनाकर अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया।

बटलर ने कहा, 'मैं मैच में अंत तक टिके रहना चाहता था। हमारे लिए यह बड़ा मैच था और मैं लंबी पारी खेलना चाहता था। इसलिए हड़बड़ी में किसी प्रकार की गलती नहीं करना चाहता था।' उन्होंने कहा, 'वहीं विरोधी टीम चाहती है कि मैं घबराऊं और जल्दी से आउट हो जाऊं। मुझे खुद पर भरोसा था और मुझे पता था कि मैं लय हासिल कर लूंगा। इस पारी में मुझे मनोबल हासिल हुआ है।' कप्तानी संजू सैमसन की 26 गेंद में 47 रन की पारी से बटलर को राहत मिली और उनपर से दबाव हट गया। इसके बाद तो बटलर अपने पुराने रंग में दिखे।

फाइनल में जगह बनाने के बाद पंड्या ने खिलाड़ियों की तारीफ की

कोलकातो (एजेंसी)।

गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग के क्वालीफायर एक में मंगलवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाने के बाद अपने खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की।

रॉयल्स के 189 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस ने डेविड मिलर (नाबाद 68) और पंड्या (नाबाद 40) के बीच चौथे विकेट की 106 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत तीन गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 191 रन बनाकर जीत दर्ज की। मिलर ने 38 गेंद की अपनी तेजतर्रार पारी में पांच छक्के और तीन चौके मारे। उन्होंने लगातार तीन छक्के जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। पंड्या ने 27 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके जड़े।

टाइटंस की ओर से शुभमन मिल (35) और मैथ्यू वेड (35) ने भी उपयोगी पारियां खेली। रॉयल्स ने जोस बटलर (89) और कप्तान संजू सैमसन (47) की उम्दा पारियों से छह विकेट पर 188 रन बनाए थे। पंड्या ने मैच के बाद कहा, ''मुझे गर्व है कि टीम में शामिल सभी 23 खिलाड़ी अलग हैं। वे सभी अलग तरह की चीजें मुकाबले में लेकर आते हैं। मैंने मिलर से सिर्फ इतना कहा कि अगर

आपके आसपास अच्छे लोग हैं तो आपको अच्छी चीजें मिलती हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं देख सकता हूं कि जो खिलाड़ी अंतिम एकादश में शामिल नहीं हैं वे भी चाहते हैं कि टीम अच्छा प्रदर्शन करे। राशिद ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार प्रदर्शन किया लेकिन मुझे मिलर पर अधिक गर्व है। मैंने उसे कहा कि खेल का सम्मान करना चाहिए। मुंबई इंडियन्स के खिलाफ हमने गलती कर दी थी और यहां चाहते थे कि खेल का सम्मान करें। हम दोनों ही मैच को खत्म करना चाहते थे।'' रॉयल्स के कप्तान सैमसन ने कहा कि वह स्कोर से खुश थे लेकिन मैच में टॉस की भूमिका अहम रही। उन्होंने कहा, ''स्कोर से खुश था। विकेट पर बल्लेबाजी उतनी आसान नहीं थी। गेंदबाजों को मदद मिल रही थी, पावरप्ले में स्विंग मिल रही थी। कुछ गेंद रुककर आ रही थी और उछाल भी समान नहीं था। भाग्यशाली था कि पावरप्ले में कुछ रन बना पाया। इस तरह के हालात में यह स्कोर शानदार था।''

सैमसन ने कहा, ''दूसरी पारी में विकेट बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गई। हम अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। भाग्य और टॉस की भूमिका अहम रही। लेकिन उन्हीं चीजों पर ध्यान दे रहे हैं जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं।

धवन को टीम इंडिया में जगह नहीं मिलने का कारण सामने आया

मुम्बई । अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन को अगले माह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने का कारण अब सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की सलाह पर धवन को टीम से बाहर रखा गया है। धवन ने आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी की थी और माना जा रहा था कि उन्हें टीम में जरुर जगह मिलेगी पर ऐसा हुआ नहीं।

रिपोर्ट में एक बीसीसीआई अधिकारी के हवाले से कहा गया, धवन एक दशक से अधिक समय से भारतीय क्रिकेट में शामिल रहे हैं पर टी20 में आपको अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवाओं को अवसर देना होता है। ऐसे में कोच द्रविड़ को कठिन फैसला लेना था और इसके लिए सभी तैयार हो गये। टीम की घोषणा से पहले धवन को द्रविड़ ने इस बारे में जानकारी दे दी थी। ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए भी युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। आईपीएल में सबका ध्यान खींचने वाले युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक को पहली बार अवसर मिला है। इसके अलावा कुलदीप यादव, हार्दिक पंड्या, दिनेश कार्तिक की भी टीम में वापसी हुई है।

नीरज चोपड़ा ने युवाओं को दिया 'जैव रन चैलेंज'

नई दिल्ली। ऑलंपिक में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले जैवलीन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने यूट्यूब शॉर्ट्स पर अपने प्रशंसकों को एक नया चैलेंज दिया है। प्रशंसक 'हैशटैग जैव रन' ट्रेंड में भाला फेंकने से पहले के नीरज के रन-अप की नकल करते हुए अपनी वीडियो बना सकते हैं और उसे यूट्यूब पर डाल सकते हैं। अपने नये यूट्यूब शॉर्ट्स वीडियो में नीरज प्रशंसकों को वास्तविक दुनिया की विभिन्न स्थितियों में 'जैव रन' करना सिखा रहे हैं। प्रशंसक सीधे मोबाइल ऐप से 15 सेकंड का यूट्यूब शॉर्ट बना सकते हैं और इस चैलेंज में अपना रचनात्मक योगदान दे सकते हैं। चैलेंज का हिस्सा बनने के लिए प्रशंसकों को 'लेट्स नाचो' गाने के साथ हैशटैग जैवरन और 'हैशटैग यूट्यूब शॉर्ट्स' का उपयोग करना होगा। इस चैलेंज के तहत नीरज कुछ भाग्यशाली विजेताओं के साथ मुलाकात भी करेंगे। जैव रन चैलेंज की रिलीज पर बोलते हुए नीरज ने कहा, 'यूट्यूब ने मेरी आंखों के सामने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंकने वालों को लाने में मदद की, और मुझे उनसे सीखने का मौका दिया। यही कारण है कि यूट्यूब पर मेरा अपना चैनल है जो मेरे लिये एक विशेष उपलब्धि है और मैं इसके माध्यम से युवाओं को प्रेरित करना चाहता हूं।

मरान , तिलक सहित ये पांच खिलाड़ी इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के हैं दावेदार

मुबई (एजेंसी)।

इंडिया प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 15 वें सत्र में पांच खिलाड़ी इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड की दौड़ में सबसे आगे हैं। ये पांच खिलाड़ी हैं तेज गेंदबाज उमरान मलिक, बल्लेबाज तिलक वर्मा, बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस , मोहसिन खान और अर्शदीप सिंह। इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड उस खिलाड़ी को दिया जाता है जिसके अंतरराष्ट्री स्तर पर चमकने की उम्मीद हो इसके साथ ही उसका जन्म 1 अप्रैल 1996 के बाद का हो। उसने 5 या इससे कम टेस्ट और 20 या उससे कम एकदिवसीय खेले हों। आईपीएल में 25 या इससे कम मैच खेले हों. उसे आईपीएल में पहले कभी इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड नहीं मिला हो।

उमरान मलिकः दाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज उमरान ने आईपीएल के 15वें सीजन में 14 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 22 विकेट है। उमरान इस सीजन इमर्जिंग प्लेयर बनने की रेस में सबसे आगे हैं। उमरान लगातार अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सबकी नजरों में आये हैं। उनकी गेंदों के सामने दिग्गज बल्लेबाज भी रनों के लिए संघर्ष करते दिखे।

तिलक वर्मा : मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज तिलक ने अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित

किया है। एक ओर जहां मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज रनों के लिए संघर्ष करते दिखे। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा लगातार रन बनाते रहे हैं।

तिलक ने आईपीएल के इस सत्र के 14 मैचों में 131.02 के स्ट्राइक रेट से कुल 397 रन बनाए हैं। वह पहली बार आईपीएल में खेल रहे हैं।

डेवाल्ड ब्रेविस : मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे डेवाल्ड ब्रेविस ने भी इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी की है। बेबी डिविलियर्स के नाम से लोकप्रिय ब्रेविस पावर हिटिंग के लिए जाने जाते हैं। वह तेजी से रन बनाने के अलावा निडर होकर बल्लेबाजी करते हैं। इस बल्लेबाज ने आईपीएल की सात पारियों में 142.47 के स्ट्राइक रेट से कुल 161 रन बनाए जिसमें 49 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। ब्रेविस पहली बार आईपीएल में खेले। उन्होंने इस सीजन एकमात्र विकेट विराट कोहली के रूप में लिया। डेवाल्ड ब्रेविस पावरप्ले में तेजी से रन बटोरने की काबिलियत रखते हैं।

मोहसिन खान : लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने भी इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। इस गेंदबाज ने स्लॉग ओवर में शानदार गेंदबाजी की है। मोहसिन ने सत्र के 8 मैचों में 13 विकेट लिए हैं उनका बेस्ट प्रदर्शन 16 रन देकर चार विकेट है।

अर्शदीप सिंह : पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे अर्शदीप ने डेथ ओवर में अपनी गेंदबाजी से सभी को हैरान किया है।

अर्शदीप ने इस सत्र के 14 मैचों में 10 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनकी इकॉनोमी 7.7 की रही है। गेंदबाजी के अलावा अर्शदीप एक बेहतरीन फील्डर भी हैं।

प्रज्ञानानंदा मेल्टवाटर चैम्पियंस शतरंज के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय

चेन्नई । 16 साल के आर प्रज्ञानानंदा मेल्टवाटर चैम्पियंस शतरंज टूर चेसेबल मास्टर्स टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने हैं। प्रज्ञानानंदा ने सेमीफाइनल में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी को 3.5- 2.5 से पराजित किया। मेल्टवाटर चैम्पियंस में 4 गेम का ऑनलाइन सेमीफाइनल मैच 2-2 से बराबरी पर था। जिसके बाद प्रज्ञानानंदा ने टाइब्रेकर में डच खिलाड़ी को शिकस्त दी। गिरी की इस टूर्नामेंट में यह पहली हार थी। सेमीफाइनल मुकाबला संघर्षपूर्ण रहा। इसमें प्रज्ञानानंदा पहला गेम हार गए थे पर दूसरे गेल में उन?होंने अच्छी वापसी की। उन्होंने तीसरा गेम जीत कर स्कोर 2-1 कर दिया, हालांकि गिरी ने अपना पूरा अनुभव लगाकर चौथा गेम जीता और मुकाबला टाइब्रेकर में पहुंच गया। प्रज्ञानानंदा ने शुरुआती दौर में कार्लसन को हराया था। अब फाइनल में भारतीय खिलाड़ी का सामना विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी चीन के डिंग लिरेन से होगा। इससे पहले लिरेन ने दूसरे सेमीफाइनल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को 2.5- 1.5 से हराया।

भारत का पहला ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम ओडिशा में शुरू हुआ

भुवनेश्वर । भारत में पहला ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम (ओवीईपी) ओडिशा में शुरू किया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा है कि ओवीईपी में ओलंपिक से जुड़े पाठ्यक्रम को स्कूली शिक्षा प्रणाली में शामिल किया गया है जिससे बच्चे सक्रिय , स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक बनाये जा सकें। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस कार्यक्रम की आधिकारिक तौर पर शुरुआत की। पहले वर्ष में कार्यक्रम का लक्ष्य भुवनेश्वर और राउरकेला शहरों के 90 स्कूलों में नामांकित 32,000 बच्चों तक पहुंचना है। इसके बाद इसका प्रसार राज्य के करीब 70 लाख स्कूली बच्चों तक होगा। पटनायक ने कहा ,'' देश में ओलंपिक आंदोलन में यह एक नयी शुरूआत है।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि स्कूली बच्चों के समग्र विकास में यह साझेदारी अहम होगी। वहीं आईओसी के शिक्षा आयोग के प्रमुख मिएला जावोरस्की ने कहा ,'' ओलंपिक आंदोलन में शिक्षा का अहम योगदान है। यह कार्यक्रम दुनिया में 2006 से लागू है।'' स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल यह कार्यक्रम ओडिशा के स्कूल और जन शिक्षा विभाग और अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट ने मिलकर तैयार किया है।

एशिया कप हॉकी : जापान ने भारत को 5-2 से रौंदा, टीम टूर्नामेंट से बाहर होने के कागार पर

जकार्ता (एजेंसी)।

भारत की युवा टीम को पुरूष एशिया कप हॉकी चैम्पियनशिप में मंगलवार को यहां जापान के खिलाफ अनुभवहिनता का खामियाजा 2-5 की हार के साथ भुगतना पड़ा। अपने शुरूआती मैच में पाकिस्तान के खिलाफ ड्रॉ खेलने के बाद इस बड़ी हार से भारतीय टीम का आगे का सफर मुश्किल होगा। टीम अगर अगले मैच में इंडोनेशिया को हरा भी देती है तो उसके लिए नॉकआउट चरण का टिकट कटाना मुश्किल होगा। जापान के लिए केन नागायोशी, कोसी कावाबे (दो गोल), रयोमी ओका और कोजी यामासाकी ने गोल किए जबकि भारतीय टीम के लिए पवन राजभर और उत्तम सिंह ने गोल किया।

कोच सरदार सिंह की युवा भारतीय टीम जापान की अधिक संगठित टीम के सामने लचर दिखी। टीम के दो सीनियर खिलाड़ी कप्तान बीरेंद्र लाकड़ा और एसवी सुनील का खेल उस स्तर का नहीं दिखा जिसके लिए वे जाने जाते हैं। लाकड़ा ने मैच के बाद कहा कि हमारे लिए पहले दो क्वार्टर बहुत कठिन थे क्योंकि हम इसमें लय हासिल नहीं कर सके। बाद के दोनों क्वार्टर में हमने बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन ज्यादा मौके नहीं बना सके।

भारत के पास पहले हाफ के पांचवें मिनट में ही बढ़त बनाने का मौका था। 20 वर्षीय कार्ती सेल्वम ने अनुभवी एसवी सुनील को अच्छा पास दिया लेकिन सुनील गेंद को ठीक से रोकने में सफल नहीं रहे। जापान के पास भी इस क्वार्टर में गोल करने का मौका था लेकिन टीम के पेनल्टी कार्नर को भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने विफल कर दिया। दूसरे क्वार्टर में मिडफील्डर राज कुमार ने सर्कल के कोने से गोलपोस्ट की ओर शानदार शॉट लगाया लेकिन जापान के गोलकीपर ने इसे रोक दिया। जापान के इसके बाद मैच पर पकड़ बनाना शुरू किया और दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए।

केन नागायोशी ने दूसरे पेनल्टी को गोल में बदलकर जापान का खाता खोला। भारत के पास इसके बाद बराबरी का मौका था लेकिन नीलम संजीप जेस के बनाये मौके को राज कुमार गोल में नहीं बदल सके। उनके रिवर्स हिट को गोलकीपर ने रोक लिया। मैच के 40वें मिनट में कावाबे ने मैदान के बीच से भारतीय खिलाड़ियों से गेंद छीन कर अकेले आगे बढ़ते हुए इसे गोल में बदल दिया। तीसरे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में लाकड़ा ने जापान के सर्कल के अंदर शानदार मौका बनाया जिसे राजभर ने गोल में बदल दिया।

आखिरी क्वार्टर में काटो के पास को ओका ने गोल में बदल कर जापान की

बढ़त को 3-1 कर दिया लेकिन अगले ही मिनट में राजभर की मदद से उत्तम सिंह ने गोल कर इस अंतर को कम किया। आखिरी सात मिनट में भारत के दो खिलाडियों को मैदान से बाहर होना पड़ा और जापान ने इसका पूरा फायदा उठाया। मैच के 54वें मिनट में यामासाकी के गोल से जापान की बढ़त 4-2 हो गयी। इसके दो मिनट बाद कवाबे के प्रयास को गोलकीपर सूरज ने विफल किया लेकिन इस खिलाड़ी ने दूसरे प्रयास को गोल में बदल कर जापान की बढ़त 5-2 कर दी।

महिला टी20 चैलेंज : शेफाली और वुलवार्डट की शानदार बल्लेबाजी से वेलोसिटी जीती

नई दिल्ली । सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और लॉरा वुलवार्डट के अर्धशतकों की सहायता से वेलोसिटी टीम ने महिला टी20 चैलेंज क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे मैच में सुपरनोवाज पर सात विकेट से जीत दर्ज की है। इस मुकाबले में सुपरनोवाज की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार क्षेत्ररक्षण करते हुए हवा में उछलकर एक हाथ से कैच लेकर शेफाली को पेवेलियन भेजा। हरमनप्रीत के इस कैच का वीडियो भी सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। प्रशंसकों ने इस कैच की जमकर प्रशंसा की है। शेफाली ने 30 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। यह इस टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक है। हरमनप्रीत ने इससे पहले बल्लेबाजी के दौरान 51 गेंदों में 71 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। इस मैच में सुपरनोवाज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 150 रन बनाए। इसके बाद वेलोसिटी ने तीन विकेट पर ही यह लक्ष्य हासिल कर लिया। दीप्ति और वुलवार्डट की जोड़ी ने 71 रनों की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

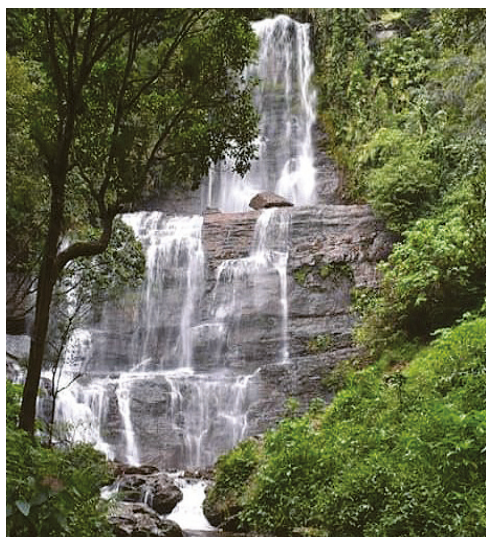

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्ज़रलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

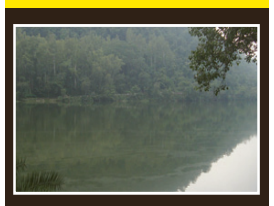

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

सार समाचार

अफगानिस्तान के 11 लाख बच्चों को गंभीर कुपोषण का सामना करना पड़ सकता है

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र ने आशंका जतायी है कि अफगानिस्तान में पांच साल से कम उम्र के करीब 11 लाख बच्चों को गंभीर कुपोषण का सामना करना पड़ सकता है। इसने कहा कि अस्पतालों में आने वाले ऐसे बच्चों की संख्या बढ़ रही है, जो संपूर्ण आहार नहीं मिल पाने के कारण कुपोषण के शिकार हैं। पिछले साल तालिबान के सत्ता में आने के बाद से संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता एजेंसियों ने अकाल की स्थिति के बीच बड़े पैमाने पर आपातकालीन सहायता कार्यक्रम चलाया है, जिसके जरिये लाखों लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। हालांकि, लगातार बिगड़ते हालात से निपटने में इन्हें खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस महीने जारी एक मूल्यांकन रिपोर्ट के मुताबिक, गरीबी बढ़ रही है, जिसके कारण और अधिक संख्या में अफगानों को मदद की जरूरत पड़ रही है। एक ओर जहां यूक्रेन में जारी युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर खाद्य पदार्थों के दाम में इजाफा हो रहा है, वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता उस स्तर पर मिलने में कठिनाई आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके परिणामस्वरूप बच्चों सहित कमजोर तबके के लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। इतना ही नहीं, महिलाओं को भी अपने परिवार के साथ-साथ बच्चों का पेट भरने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उत्तरी प्रांत परवान के एक अस्पताल में नाजिया ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि कुपोषण के कारण उसके चार बच्चों -दो लड़कियां और दो लड़के- की दो साल से कम उम्र में ही मौत हो गई। उन्होंने कहा, चारों बच्चों की मौत का कारण गरीबी और वित्तीय समस्याएं रहीं। जब मेरे बच्चे बीमार पड़े तो मेरे पास उनका इलाज कराने के लिए पैसे नहीं थे। नाजिया और उनकी सात महीने की बेटी का अस्पताल में कुपोषण का उपचार जारी है।

कश्मीर का मुद्दा गंभीर, लेकिन उस पर कोई बात नहीं करना चाहता: हिना रब्बानी खार

दावोस। पाकिस्तान की विदेश राज्यमंत्री मंत्री हिना रब्बानी खार ने मंगलवार को कश्मीर के मुद्दे को ऐसा विषय करार दिया 'जिसके गंभीर होते हुए भी कोई उस पर बात नहीं करना चाहता।' उन्होंने कहा कि '70 वर्ष पुराने मसले' के समाधान के बिना दक्षिण एशिया को एक करने और व्यापार को बढ़ाने का कोई भी प्रयास सफल नहीं होगा। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 2022 के 'दक्षिण एशिया का रणनीतिक दृष्टिकोण' सत्र के दौरान पूछे गए सवाल के जवाब में खार ने यह बयान दिया। चर्चा में शामिल एक सदस्य ने टिप्पणी की, कि भारत अब पाकिस्तान से ज्यादा चीन के प्रति चिंतित है। इस पर खार ने कहा, 'मैं चीन को जाहिर तौर पर एक नजदीकी पड़ोसी और बड़े क्षेत्र के हिस्से के तौर पर देखती हूं जिसके हम सब हिस्से हैं। इसके साथ ही, मैं चीन के प्रति भारत के विरोध का समर्थन नहीं करती हूं, उसी प्रकार जैसे मैं किसी के भी प्रति विरोध का समर्थन नहीं करती।' कश्मीर के मुद्दे पर उन्होंने कहा, 'मैं उस विषय पर ज्यादा बात नहीं करूंगी क्योंकि यहां आर्थिक मुद्दों पर चर्चा हो रही है लेकिन यह विषय ऐसा है जिसके गंभीर होते हुए भी कोई उस पर बात नहीं करना चाहता।

नेपाल-भारत संबंधों पर 'प्रख्यात व्यक्तियों के समूह' की रिपोर्ट दोनों प्रधानमंत्रियों को सौंपी जाएगी

काठमांडू। नेपाल-भारत संबंधों पर 'प्रख्यात व्यक्तियों के समूह' के एक सदस्य ने मंगलवार को कहा कि इस समूह ने निर्णय लिया है कि द्विपक्षीय गठजोड़ के लिए भविष्य की रूपरेखा तय करने वाली उनकी संयुक्त रिपोर्ट दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों को सौंपी जाएगी। इस समूह का गठन जनवरी 2016 में किया गया था और इसका उद्देश्य नेपाल-भारत दोस्ती समझौता 1950 समेत द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पक्षों की समीक्षा करना था। समूह के सदस्य ने कहा कि लगभग साढ़े तीन साल काम करने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई है जो नेपाल और भारत के प्रधानमंत्रियों को जल्दी ही सौंपी जाएगी। समूह के नेपाल समन्वयक भेख बहादुर थापा ने एक बयान में कहा कि दोनों देशों की सरकारों को सौंपे बिना इसे समन्वयकों की जिम्मेदारी पर छोड़ना उचित नहीं होगा।

उत्तर कोरिया ने दागीं पूर्वी तट की ओर तीन मिसाइल, सियोल ने किया दावा

सियोल। उत्तर कोरिया ने बुधवार को तीन बैलेस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। यह दो सप्ताह में उत्तर कोरिया द्वारा किया गया पहला परीक्षण है। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने एक बयान में बताया कि सभी तीनों मिसाइल बुधवार को सुबह छह से सात बजे के बीच उत्तर कोरिया के पूर्वी तट की ओर एक के बाद एक दागी गईं। बयान में कहा गया कि इसे देखते हुए दक्षिण कोरिया ने अपनी निगरानी बढ़ा दी है और अमेरिका के साथ अपनी सैन्य संबंधी तैयारियों को चाकचौबंद किया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के कार्यालय ने बताया कि उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण के बाद राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई। गौरतलब है कि ये मिसाइल परीक्षण इस वर्ष उत्तर कोरिया द्वारा किया गया 17वां परीक्षण है। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया हथियारों के अपने जखीरे को आधुनिक बनाने ने लिए परीक्षण कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन हाल में दक्षिण कोरिया गए थे और उनसे इस यात्रा के दौरान उत्तर कोरिया की ओर से किसी तरह की उकसावे की कार्रवाई के बारे में प्रश्न पूछा गया था, जिस पर उन्होंने कहा था, 'उत्तर कोरिया चाहे जो भी करे, हम हर चीज के लिए तैयार हैं।' इस परीक्षण के कई घंटे पहले अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने वाशिंगटन में पत्रकारों से कहा था कि हो सकता है कि उत्तर कोरिया किसी अहम हथियार के परीक्षण की तैयारी में हो।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान इस्लामाबाद कूच पर अड़े, गृहमंत्री ने कहा यह आकर दिखाए

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान बुधवार को इस्लामाबाद तक लंबा मार्च करके बेमियादी धरने पर बैठने जा रहे हैं। इसके बाद शरीफ सरकार ने भी तेवर दिखा दिए हैं। सरकार में गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा, दम है तब इस्लामाबाद के रेड जोन में आकर दिखाए इमरान खान, जवाब में खान ने युवा समर्थकों को उकसाया। उन्होंने कहा कि सरकार के हर हमले का उसी अंदाज में जवाब दें। इसके पहले देर रात पुलिस ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के घरों पर छापेमारी की। इस दौरान नेता मियां महमूद-उर-रशीद को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हालात बिगड़ते देख पाकिस्तानी फौज भी एक्शन में आ गई है। गृह मंत्रालय से बातचीत के बाद इस्लामाबाद के ज्यादातर हिस्सों में फौज और रेंजर तैनात कर दिए गए हैं। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ मांग कर रही है कि शाहबाज शरीफ के 13 पार्टियों की गठबंधन सरकार फौरन इस्तीफा दे। केयर टेकर सरकार बने और जल्द से जल्द चुनाव कराए जाएं। वैसे संसद का कार्यकाल अगले साल अगस्त तक है। इमरान ने पीटीआई की यूथ विंग से कहा, अगर आपको रोका जाता है, तब जरा भी न घबराएं, मैं आपके साथ हूं। हर मुश्किल से टकरा जाएं, नतीजा चाहे जो भी हो। पीटीआई की यूथ विंग को अटैक ब्रिगेड भी कहा जाता है।

सियोल में एक महिला टीवी पर उत्तर कोरिया के तीन मिसाइल छोड़े जाने का कार्यक्रम देखती हुई।

युद्ध को खत्म करने के लिए अपनी मातृभूमि नहीं छोड़ेगा यूक्रेन, वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दिया बड़ा बयान

दावोस (स्विट्जरलैंड)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि उनका देश रूस के युद्ध को खत्म करने के लिए अपनी मातृभूमि नहीं छोड़ेगा। दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के दौरान 'यूक्रेनियन ब्रेकफास्ट' में वीडियो लिंक के जरिये शामिल हुए जेलेंस्की ने कहा कि वह बिल्कुल नहीं मानते हैं कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूरी तरह से समझ रहे हैं कि यूक्रेन में क्या हो रहा है। 'सीएनएन' की फरीद जकारिया ने सवाल किया कि क्या संघर्ष को समाप्त करने के लिए बातचीत संभव है, इसके जवाब में जेलेंस्की ने एक दुभाषिए के माध्यम से कहा, 'यूक्रेन अपनी जमीन को नहीं छोड़ने जा रहा है। हम अपने देश में, अपनी जमीन पर लड़ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'यह किसी के खिलाफ नहीं बल्कि हमारी मातृभूमि के लिए, हमारी आजादी के लिए, हमारे स्वतंत्रता के लिए और हमारे भविष्य के लिए युद्ध है।' राजनयिक वार्ता के पहले कदम के रूप में जेलेंस्की ने कहा कि रूस को वार्ता में शामिल होने की अपनी इच्छा दिखाने की जरूरत होगी और 'रूस को आक्रमण शुरू होने के दिन, 24 फरवरी, से पहले की स्थिति में अपने सैनिकों तथा हथियारों को वापस बुलाने की दिशा में कदम उठाने के लिए कम से कम कुछ तो पहल करनी चाहिए।'

क्या यूक्रेन युद्ध से शुरू हो सकता है तीसरा विश्व युद्ध? चीन और रूस के बीच है गठजोड़

दावोस। (एजेंसी)

अरबपति अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस ने सचेत किया है कि यूक्रेन पर रूस का हमला तीसरे विश्व युद्ध की शुरूआत कर सकता है और यदि ऐसा हुआ तो सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी। सोरोस ने दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक गठजोड़ है, जिसकी कोई सीमा नहीं है। सोरोस ने मंगलवार को दावोस में अपने वार्षिक भाषण में कहा कि दुनिया को इस युद्ध को जल्द समाप्त करने में अपने सभी संसाधन लगा देने चाहिए और सभ्यता को संरक्षित रखने का सर्वश्रेष्ठ और संभवतः एक मात्र तरीका पुतिन को जल्द से जल्द हराना है। उन्होंने कहा, 'यह हमला तीसरे विश्व युद्ध की शुरूआत कर सकता है और हमारी सभ्यता इसे संभवतः झेल नहीं पाएगी।'

सोरोस ने दावा किया कि पुतिन ने शी को इस हमले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में चार फरवरी को मुलाकात की थी और एक लंबा बयान जारी कर घोषणा की थी कि उनके बीच सहयोग की 'कोई सीमा' नहीं है। सोरोस ने कहा कि पुतिन ने शी को यूक्रेन में 'विशेष सैन्य अभियान' की जानकारी दी थी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या उन्होंने शी को बताया था कि वह एक पूर्ण हमला करेंगे।

उन्होंने दावा किया कि शी ने पुतिन को समर्थन दिया था, लेकिन उनसे ओलंपिक समाप्त होने तक इंतजार करने को कहा था। उन्होंने कहा कि पुतिन का तथाकथित 'विशेष सैन्य अभियान' योजना के अनुरूप नहीं रहा, क्योंकि उन्हें यूक्रेन में रूसी भाषी आबादी द्वारा रूस के सैनिकों का स्वागत किए जाने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

सोरोस ने दावा किया कि पुतिन को संभवतः एहसास हो गया है कि यूक्रेन पर आक्रमण करके उन्होंने एक बड़ी गलती की और वह अब संघर्ष विराम पर बातचीत के लिए जमीन तैयार कर रहे हैं, जो संभव नहीं है, क्योंकि उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि पुतिन को शांति वार्ता शुरू करनी होगी, जो वह कभी नहीं करेंगे क्योंकि इसका मतलब होगा कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ेगा। सोरोस ने कहा कि शी भी असफल रहेंगे, क्योंकि पुतिन को हमले की अनुमति देने से चीन को कोई लाभ नहीं हुआ।

दस प्रशांत देशों से व्यापक समझौते का समर्थन चाहता है चीन, जानिए वजह

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)

चीन चाहता है कि 10 छोटे प्रशांत देश सुरक्षा से लेकर मत्स्य पालन तक सभी चीजों को दायरे में लाने वाले उसके द्वारा प्रस्तावित व्यापक समझौते का समर्थन करें। इस पर एक नेता ने संबंधित देशों को चेतावनी दी है कि यह क्षेत्र पर नियंत्रण हासिल करने का बीजिंग का बड़ा प्रयास प्रतीत होता है। एसोसिएटेड प्रेस को मिले समझौता मसौदे से पता चलता है कि चीन प्रशांत पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण देना चाहता है और पारंपरिक तथा गैर-पारंपरिक सुरक्षा पर संबंधित देशों से जुड़ना चाहता है तथा कानून प्रवर्तन सहयोग का विस्तार करना चाहता है। चीन संयुक्त रूप से मत्स्य पालन के लिए एक समुद्री योजना भी विकसित करना चाहता है। चीन ने प्रशांत देशों के साथ मुक्त व्यापार क्षेत्र स्थापित करने की संभावना का भी उल्लेख किया है।

चीन के इस कदम के बीच चीनी विदेश मंत्री वांग यी और 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह संबंधित क्षेत्र का दौरा कर रहा है। वांग इन देशों में से उन सात देशों का दौरा कर रहे हैं, जिनके बारे में उन्हें उम्मीद है कि वे उसके साझा विकास दृष्टिकोण का समर्थन करेंगे। इन देशों में सोलोमन द्वीप, किरिबाती, समोआ, फिजी, टोंगा, वानुअतु और पापुआ न्यू गिनी शामिल हैं। वांग अन्य तीन संभावित हस्ताक्षरकर्ताओं- कुक आइलैंड्स, नीयू और फेडरेटेड स्टेट्स ऑफ माइक्रोनेशिया के साथ भी वर्चुअल बैठकें कर रहे हैं।

उन्हें उम्मीद है कि फिजी में 30 मई की बैठक के बाद संयुक्त बयान के हिस्से के रूप में संबंधित देश पूर्व-लिखित समझौते का समर्थन करेंगे। इस बीच, माइक्रोनेशिया के राष्ट्रपति डेविड पैनुएलो ने अन्य प्रशांत देशों के नेताओं को आठ पन्नों का एक पत्र लिखकर कहा है कि उनका देश योजना का समर्थन नहीं करेगा और यदि अन्य देश ऐसा करते हैं तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। पैनुएलो ने अपने पत्र में कहा है कि समझौते में समानता और न्याय जैसे आकर्षक शब्दों के पीछे कई चिंताजनक चीजें हो सकती हैं तथा यह क्षेत्र पर नियंत्रण हासिल करने का चीन का बड़ा प्रयास प्रतीत होता है।

मानवाधिकार संरक्षण में कोई भी पूर्णता का दावा नहीं कर सकता: शी चिनफिंग

बीजिंग (एजेंसी)

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों पर अत्याचार के आरोपों को कोई तव्वजो न देते हुए बुधवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बैश्लेट से कहा कि कोई भी मानवाधिकार संरक्षण में पूर्णता का दावा नहीं कर सकता है और भाषण देने की कोई जरूरत नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त बैश्लेट बीजिंग के साथ एक लंबी समझौता प्रक्रिया के बाद उइगर मुसलमानों के मानवाधिकार उल्लंघन से जुड़े आरोपों की जांच करने सोमवार को गुआंग्झू पहुंचीं। चीन का आरोप है कि अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे कट्टरपंथी संगठनों से कथित तौर पर जुड़े पूर्वी तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईआईआईएम) ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर, अफगानिस्तान और कई मध्य एशियाई देशों की सीमा से लगे मुस्लिम-बहुल शिनजियांग प्रांत में अलगाववादी विद्रोह को भड़काया है। लाखों उइगर मुसलमानों को शिविरों में रखने के कदम को चीन कौशल शिक्षा करार देता रहा है। चिनफिंग ने बुधवार को एक वीडियो लिंक के जरिए बैश्लेट के साथ अपनी बैठक में कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और चीन सरकार मानवाधिकारों की व्यापक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। चीन के राष्ट्रपति ने इस दौरान यह भी कहा कि मानवाधिकार संरक्षण में कोई पूर्णता का दावा नहीं कर सकता है और हमेशा सुधार की आवश्यकता होती है।

अमेरिकी स्कूल में बच्चों का कत्लेआम! टेक्सास में स्कूल में गोलीबारी, 19 बच्चों समेत 21 लोगों की मौत

ह्यूस्टन (अमेरिका)। (एजेंसी)

अमेरिका में टेक्सास राज्य के एक प्राथमिक स्कूल में 18 वर्षीय एक बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलीबारी करके 18 बच्चों समेत 21 लोगों की हत्या कर दी और कई अन्य इस घटना में घायल हो गए। इसके बाद पुलिस कार्रवाई में हमलावर मारा गया। सैन एंटोनियो से 134 किलोमीटर दूर टेक्सास के उवाल्डे शहर के रॉब एलीमेंट्री स्कूल में मंगलवार पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे गोलियों की आवाज सुनाई दीं। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने बताया कि हमलावर की पहचान साल्वाडोर रामोस के रूप में हुई है, जो स्कूल के पास के एक इलाके का रहने वाला था। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला क्यों किया गया। एबॉट ने मंगलवार शाम को कहा, 'उसने भयंकर गोलीबारी करके लोगों की हत्या कर दी। इसमें 14 बच्चों और एक अध्यापक की मौत हो गई।' बाद में मृतक संख्या बढ़ गई और गोलीबारी में 18 बच्चों और तीन वयस्कों की मौत होने की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कानून प्रवर्तन से जुड़े दो अधिकारियों को भी गोलियां लगी हैं, लेकिन उनके ठीक हो जाने की उम्मीद है। कानून प्रवर्तन के सूत्रों ने पुष्टि की कि रामोस के पास एक हैंडगन और एक एआर -15 अर्द्धस्वचालित राइफल थी। उसके पास उच्च क्षमता वाली मैगजीन भी थी। मृतकों के नाम और अन्य जानकारी अभी उपलब्ध नहीं कराई गई है। स्कूल की वेबसाइट के अनुसार, उसके छात्रों की आयु पांच वर्ष से 11 वर्ष है। उवाल्डे में पुलिस प्रमुख पेटे अरेडोंडो ने कहा, 'रोब एलीमेंट्री स्कूल में आज पूर्वाह्न 11 बजकर 32 मिनट पर बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए।' उन्होंने बताया कि हमलावर ने अकेले गोलीबारी की, जो पुलिस की गोलीबारी में मारा गया।

अरेडोंडो ने बताया कि मृतक बच्चे दूसरी, तीसरी और चौथी कक्षा में पढ़ते थे और उनकी आयु सात से 10 साल के बीच थी। क्वाड शिखर वार्ता में शामिल होने के बाद जापान से लौट रहे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को गोलीबारी की इस घटना की जानकारी दी गई। बाइडन की प्रेस सचिव कैराइन जीन पियरे ने बताया कि बाइडन शाम को गोलीबारी की घटना को लेकर मीडिया को संबोधित करें। पियरे ने ट्वीट किया, 'उनकी (बाइडन की) संवेदनाएं इस भयंकर घटना से प्रभावित हुए परिवारों के साथ हैं।' बाइडन ने टेक्सास में मारे गए लोगों की याद में 28 मई को सूर्यास्त तक अमेरिकी ध्वज को आधा झुकाए रखने का आदेश दिया है। उवाल्डे में सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं, लेकिन उनकी संख्या के बारे में अभी बताया नहीं गया है।

वह दिन आएगा जब पाकिस्तान भारत के साथ कूटनीतिक, आर्थिक रूप से जुड़ सकेगा: बिलावल भुट्टो जरदारी

दावोस। (एजेंसी)

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने बुधवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एक दिन आएगा जब उनका देश भारत के साथ कूटनीतिक और आर्थिक रूप से भी जुड़ सकेगा। जरदारी ने विभिन्न पड़ोसी देशों के साथ पाकिस्तान के आर्थिक और कारोबारी अवसरों को खोलने के लिए आवश्यक विभिन्न कदमों का जिक्र करते हुए कहा, 'आज नहीं तो कल, वह दिन आएगा। उस दिन हम अपनी पूरी आर्थिक संभावनाओं को खोल सकेंगे और समृद्धि का फल मिल कर चखेंगे।' अपने देश के पड़ोस में कई संघर्षों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मेरे जीवन में वह दिन जरूर आएगा, जब हम अपने क्षेत्र में संघर्षों को हल करने में सक्षम होंगे और उस दिन हम अपनी पूर्ण विकास क्षमता को खोलने में सक्षम होंगे।' पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने बुधवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एक दिन आएगा जब उनका देश भारत के साथ कूटनीतिक और आर्थिक रूप से भी जुड़ सकेगा। जरदारी ने विभिन्न पड़ोसी देशों के साथ पाकिस्तान के आर्थिक और कारोबारी अवसरों को खोलने के लिए आवश्यक विभिन्न कदमों का जिक्र करते हुए कहा, 'आज नहीं तो कल, वह दिन आएगा। उस दिन हम अपनी पूरी आर्थिक संभावनाओं को खोल सकेंगे और समृद्धि का फल मिल कर चखेंगे।' अपने देश के पड़ोस में कई संघर्षों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मेरे जीवन में वह दिन जरूर आएगा, जब हम अपने क्षेत्र में संघर्षों को हल करने में सक्षम होंगे और उस दिन हम अपनी पूर्ण विकास क्षमता को खोलने में सक्षम होंगे।'

हालांकि, जरदारी ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान जब भी किसी अन्य देश के साथ कूटनीतिक या आर्थिक रूप से जुड़ेगा तो वह अपने राष्ट्रीय हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन संकट को हल करने का एकमात्र तरीका बातचीत और कूटनीति है। जरदारी ने वार्षिक विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक, 2022 से इतर दावोस में पाथफाइंडर ग्रुप और मार्टिन डॉव ग्रुप द्वारा आयोजित वार्षिक पाकिस्तान ब्रेकफास्ट सत्र में को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'यहऐसा समय है जब मानवता एक नहीं बल्कि अस्तित्व संबंधी कई संकटों का सामना कर रही है, चाहे वह कोविड-19 महामारी हो, जलवायु परिवर्तन या अनय संघर्ष हों।' जरदारी ने कहा, 'क्या हम इतिहास में किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में पहचाने जाना चाहेंगे, जिसने बातचीत के माध्यम से अस्तित्व से जुड़े संकटों और संघर्षों को हल किया या जिसने अधिक संघर्ष पैदा किए?संघर्षों को हल करना हमारे जैसे छोटे देशों के लिए नहीं बल्कि बड़े देशों और सभी के हित में है।'

उन्होंने कहा कि जहां पाकिस्तान यूक्रेन के लोगों के प्रति सहानुभूति रखता है, वहीं हमारा दृढ़ विश्वास है कि इस संघर्ष को कूटनीति और बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान विभिन्न संघर्षों के गंभीर आर्थिक परिणामों का भी सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, 'क्या हमें बार-बार वही पुरानी लड़ाइयां लड़नी चाहिए या हमें आधुनिक मुसलमानों के देश के रूप में पहचाने जाने की और एक समृद्ध भविष्य की आकांक्षा रखनी चाहिए?' मंत्री ने कहा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि राजनीतिक कलह को किनारे कर दिया जाए और पाकिस्तान की विशाल अनछुई क्षमता का पता लगाया जाए और उन्हें खोला जाए।

जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान के पड़ोसी देश चीन, भारत, ईरान और अफगानिस्तान हैं। उन्होंने कहा, 'हम चीन के साथ अपने व्यापार को अधिकतम करने में सक्षम नहीं हैं। भारत के साथ हमारे संबंध स्पष्ट रूप से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, लेकिन एक दिन हम उस स्थिति में पहुंच जाएंगे जहां अंतरराष्ट्रीय संस्थान अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए आगे आएंगे।' उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से एक दिन ऐसा आएगा जब हम पूर्व में अपने पड़ोसी के साथ न केवल कूटनीतिक बल्कि आर्थिक रूप से भी जुड़ सकेंगे।' अफगानिस्तान के बारे में उन्होंने कहा कि वह नए तालिबान शासन को मान्यता देने के लिए बहुत जल्दी में नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे यह देखने की जल्दी है कि वहां के लोग निराशा से बाहर निकलें और अफगानिस्तान उस आर्थिक तबाही से बाहर निकले, जिसमें वह फंस गया है।' उन्होंने कहा, 'हमें सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, मानवीय संकट और आर्थिक संकट से निपटने की जरूरत है और मैं पाकिस्तान के विदेश मंत्री के रूप में वह सब कुछ करूंगा जो मैं यह सुनिश्चित करने के लिए कर सकता हूं।' जरदारी ने कहा, 'हम चाहते हैं कि अफगानों की जब्त

की गई या रोकी गई रकम को जारी करने पर फिर से विचार किया जाए। अफगानिस्तान की लड़कियों और महिलाओं को शिक्षा पाने और काम करने तथा अपनी अर्थव्यवस्था में योगदान करने का अधिकार है।' इसके अलावा मंत्री ने कहा, 'हमने पाकिस्तान में, पाकिस्तान के मुसलमानों ने एक महिला को एक से अधिक बार प्रधानमंत्री के रूप में निर्वाचित होते देखा है और हम उम्मीद करते हैं कि अफगान महिलाओं को भी वह सम्मान मिलेगा जिसकी वे हकदार हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ममता बनर्जी ने बंगाल के पर्यटकों की मौत पर जताया दुख, बोलीं- एक उच्चस्तरीय टीम को भेजा जा रहा ओडिशा

कोलकाता। ओडिशा के गंजाम जिले में पश्चिम बंगाल के छह पर्यटकों की सड़क दुर्घटना में मौत पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य प्रशासन शवों के त्वरित पोस्टमॉर्टम और हादसे में घायल हुए लोगों के इलाज के लिए ओडिशा के अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। बनर्जी ने यह भी कहा कि राज्य आपदा प्रबंधन मामलों के प्रधान सचिव एवं उदयनारायणपुर के विधायक के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय दल घायलों को राज्य वापस लाने में मदद के लिए ओडिशा जा रहा है। उन्होंने ट्वीट किया, 'यह जानकर दुख हुआ कि सड़क हादसे में पश्चिम बंगाल के हमारे छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य लोग आघात से जूझ रहे हैं। हादसा ओडिशा के गंजाम जिले में आज तड़के तब हुआ जब वे किराए की एक बस में विजाग जा रहे थे।' गंजाम जिले के भंजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुर्गाप्रसाद गांव के पास कलिंग घाट क्षेत्र में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात एक पर्यटक बस के पलट जाने से चार महिलाओं समेत बंगाल के कम से कम छह पर्यटकों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल से करीब 65 पर्यटकों को लेकर पर्यटक बस कंधमाल जिले के दरिंगीबंदी से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की ओर जा रही थी। बनर्जी ने कहा, 'हमारा प्रशासन मृतकों के शीघ्र पोस्टमॉर्टम, घायलों के इलाज और उनकी वापसी के लिए ओडिशा के अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। प्रधान सचिव, आपदा प्रबंधन एवं उदयनारायणपुर के विधायक के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय टीम को ओडिशा भेजा जा रहा है।' बनर्जी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि घायलों की हरसंभव मदद की जाएगी।

अखिलेश की मौजूदगी में कपिल सिब्बल ने राज्यसभा के लिए किया नामांकन

नई दिल्ली। वरिष्ठ राजनेता कपिल सिब्बल ने कांग्रेस से दूरियां बनाते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर राज्यसभा का पर्चा भर दिया। सपा ने अपने अन्य अपने राज्यसभा उम्मीदवारों के नाम भी फाइनल कर दिए हैं। देश के मशहूर वकील और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने सपा के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। इस दौरान अखिलेश यादव और रामगोपाल यादव भी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी की तरफ से डिंपल यादव और जावेद अली खान को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है। हालांकि इनके नाम का ऐलान नहीं किया गया है। आपको बता दें कि कपिल सिब्बल कांग्रेस के कोटे से राज्यसभा सदस्य रहे हैं लेकिन मौजूदा मतभेदों के चलते कांग्रेस से उन्होंने दूरियां बना ली हैं। जी-23 नेताओं में शामिल कपिल सिब्बल कांग्रेस के तीन दिवसीय चिंतन शिविर में भी नहीं गए थे। इसी बीच कपिल सिब्बल ने 16 मई को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और फिर समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। राज्यसभा की 11 सीट के लिए 24 मई से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। ऐसे में राज्यसभा भेजने के लिए पार्टियां अपने-अपने उम्मीदवारों का चयन कर रही है। सपा के पास तीन लोगों को राज्यसभा भेजने का मौका है। इनमें कपिल सिब्बल ने नामांकन कर दिया है।

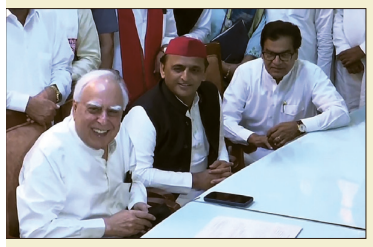

बारामूला में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में तीन पाक आतंकी ढेर

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर के बारामूला में पाकिस्तानी आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में तीन पाकिस्तानी आतंकी मारे गए हैं। मुठभेड़ के दौरान एक भारतीय जवान के भी शहीद होने की खबर है। एक दिन पहले आकंतियों मे एक पुलिसवाले को अपना निशाना बनाया था। कश्मीर जोन पुलिस आईजीपी विजय कुमार ने जानकारी दी है कि बारामूला के करेरी इलाके में नजीभात चौराहे पर मुठभेड़ शुरू हुई। उन्होंने बताया कि इस दौरान कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना के जवानों ने तीन आतंकियों को ढेर कर दिया। इससे पहले जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के सौरा इलाके में मंगलवार को आतंकवादियों ने एक पुलिस कांस्टेबल के घर के बाहर उन पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई थी। इस हमले में कांस्टेबल की मौत हो गई जबकि उनकी सात वर्षीय बेटी घायल हो गई। अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों ने कांस्टेबल सैफुल्ला कादरी पर उस समय गोलीबारी की, जब वह अपनी बेटी को ट्यूशन छोड़ने जा रहे थे। कादरी तीसरे ऐसे पुलिसकर्मी हैं जिनकी इस महीने आतंकवादियों ने हत्या कर दी है। एक अधिकारी ने बताया कि आतंकियों ने श्रीनगर जिले में अनचार इलाके के गनई मोहल्ले में स्थित कादरी के घर के बाहर उन पर हमला किया। कादरी और उनकी बेटी को एसकेआईएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि बच्ची के दाएं हाथ में गोली लगी है और वह खतरे से बाहर है। कश्मीर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कांस्टेबल की हत्या पर शोक जताया और कहा कि हमलावरों को पकड़ने के लिए आसपास के इलाकों में पुलिस दलों को भेजा गया है। उन्होंने कहा, हम जल्द ही आतंकियों को पकड़ लेंगे।

देश में कोविड-19 के 2,124 नए मामले, 17 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,124 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर 4,31,42,192 हो गई है, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 14,971 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 से 17 और मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,24,507 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.03 प्रतिशत है, जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.75 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन रोगियों की संख्या में 130 की वृद्धि हुई है। मंत्रालय के मुताबिक, देश में दैनिक संक्रमण दर 0.46 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 0.49 प्रतिशत है। वहीं, कोरोना वायरस संक्रमण से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,26,02,714 हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 192.67 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर 2020 को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

महंगाई पर अंकुश के लिए मोदी सरकार की चौतरफा तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)

महंगाई पर अंकुश के लिए सरकार ने चौतरफा तैयारी तेज कर दी है। इसमें सरकार को रिजर्व बैंक से भी सहयोग मिल रहा है। पिछले दिनों पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाने और कोकिंग कोयला समेत अन्य जिसों पर आयात शुल्क पर राहत देने के बाद अब सरकार खाने-पीने की चीजों जैसे खाद्य तेलों पर शुल्क में कटौती की संभावना तलाश रही है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इसके अलावा सरकार उद्योगों को राहत देकर आम आदमी तक सस्ती सामान उपलब्ध कराने के उपायों पर भी विचार कर रही है। महंगाई पर अंकुश के लिए सरकार ने चौतरफा तैयारी तेज कर दी है। इसमें सरकार को रिजर्व बैंक से भी सहयोग मिल रहा है। पिछले दिनों पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाने और कोकिंग कोयला समेत अन्य जिसों पर आयात शुल्क पर राहत देने के बाद अब सरकार खाने-पीने की चीजों जैसे खाद्य तेलों पर शुल्क में कटौती की संभावना तलाश रही है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इसके अलावा सरकार उद्योगों को राहत देकर आम आदमी तक सस्ती सामान उपलब्ध कराने के उपायों पर भी विचार कर रही है। सरकार का जोर फिलहाल महंगाई को नियंत्रित करने के उपाय पर है। रिजर्व बैंक ने भी महंगाई को सबसे बड़ी मौजूदा चुनौती करार करार दिया है। ऐसे में जीएसटी में संभावित संशोधन टलने की आशंका है। मामले से जुड़े सूत्रों ने कहा कि कुछ वस्तुओं को 18 फीसदी कर श्रेणी से हटाकर 28 फीसदी में करने और मौजूदा समय में कर के दायरे से बाहर की कुछ वस्तुओं को पांच फीसदी कर के दायरे में लाने पर विचार हो रहा था। हालांकि, महंगाई के रौद्र रूप को देखते हुए जीएसटी में बदलाव पर फिलहाल फैसला होने की संभावना नहीं है।

'वंदे मातरम को मिले राष्ट्रगान जैसा दर्जा', दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रगान 'जन गण मन' और राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के समान प्रचार के लिए नीति बनाए जाने का अनुरोध करने वाली एक याचिका पर बुधवार को केंद्र और दिल्ली सरकार से अपना रुख बताने को कहा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर नोटिस जारी किया और प्रतिवादियों को अपने जवाब दाखिल करने का समय दिया। अदालत ने याचिका पर राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) से भी जवाब मांगा। याचिका में केंद्र और दिल्ली सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया है कि सभी विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं में प्रत्येक कामकाजी दिन ह्यजन गण मनह्ल और 'वंदे मातरम' बजाया जाए। इस बीच, अदालत ने सुनवाई के लिए याचिका को सूचीबद्ध किए जाने से भी पहले उसे दायर करने की बात प्रचारित करने पर याचिकाकर्ता के प्रति नाराजगी जताई और कहा कि इससे लगता है कि याचिका प्रचार के लिए दायर की गई है। अदालत ने हालांकि इस बात पर गौर किया कि याचिकाकर्ता ने खेद व्यक्त किया है और उन्हें ऐसे काम दोबारा नहीं करने का निर्देश दिया गया है।

स्वतंत्र देव सिंह का तंज, माफिया और गुंडों पर योगी सरकार के एक्शन से बहुत कष्ट में हैं अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)

योगी सरकार ने पिछले पांच साल में जो किया और अब दूसरी पारी में जो कर रही है उसका सबसे बड़ा कष्ट अखिलेश यादव को है। सपा सरकार में पाले गए गुंडो और माफिया का नाश करने का बीड़ा योगी सरकार ने उठाया जिसका सपा को छोड़ कर पूरा प्रदेश वाही वाही कर रहा है। प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पांच साल झूठ और फरेब का संसार खड़ा किया और अब सदन में भी वाह झूठ ही बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश खिसियाहट में सदन की गरिमा भी भूल गए हैं और अनर्गल बातें करके सदन का बहूमूल्य समय नष्ट कर रहे हैं। अगर वाह सकारात्मक और जनहित की बात करें तो सरकार और जनता दोनों ही पसंद करेगी लेकिन ऐसा उनका चरित्र ही नही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अखिलेश इसको स्वीकार क्यों नही कर रहे हैं कि योगी के कार्यकाल में पिछले पांच साल में एक भी दंगा नही हुआ जबकि अखिलेश के समय में 2012 से 2017 के बीच लगभग एक हजार दंगे हुए थे। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि वर्ष 2016 के सापेक्ष वर्ष 2022 (30.04.2022) तक डकैती में 77%, लूट के मामलों में 55%, हत्या में 34%, बलवा में 50 %,फिरौती हेतु अपहरण में 37% और बलात्कार की घटनाओं में 28% की कमी दर्ज की गयी।

उन्होंने कहा कि अखिलेश कुछ भी बोलने से पहले यह विचार कर लें कि जनता ने उन्हे लगातार दो बार खारिज किया है। इसका कारण भी स्पष्ट है कि योगी सरकार ने सबको सुरक्षा एवं सबको सम्मान, अपराध एवं अपराधियों के प्रति जीरो टोलरेंस, प्रदेश में शांति और सौहार्द स्थापित करने, महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, माफिया राज समाप्त करके प्रदेश में कानून व्यवस्था का राज लाने का जो संकल्प लिया है उसका जनता हृदय से स्वागत कर रही है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने प्रदेश के 50 कुख्यात माफिया अपराधियों के द्वारा अर्जित सम्पतियों से 1438 करोड़ की सम्पत्ति जब्त की व ध्वस्तीकरण के माध्यम से अवैध कब्जा हटवाया गया। कुल मिला कर विभिन्न माफियाओं व अन्य अपराधियों की कुल 24 अरब 14 करोड़ की सम्पति का जब्तीकरण/ध्वस्तीकरण किया गया जो अखिलेश को भले ही नही भाए लेकिन जनता इसका पूरा समर्थन कर रही है।

कुष्ठ रोग विभाग को करोड़पति सफाईकर्मी, 10 साल से बैंक से सैलरी नहीं निकाली

प्रयागराज (एजेंसी)

प्रयागराज में सीएमओ ऑफिस के कुष्ठ रोग विभाग में एक सफाईकर्मी करोड़पति है। आपको सुनकर आश्चर्य जरूर होगा। सफाई कर्मी के खाते में 70 लाख रुपये है, उसका जमीन, मकान भी है। खास बात ये है कि इसने करीब 10 साल से बैंक से सैलरी भी नहीं निकाली है। अब बैंक वाले उससे अपनी सैलरी निकालने की बात कह रहे हैं। लेकिन सफाईकर्मी धीरज अपना खर्च लोगों से पैसे मांगकर निकालता है। धीरज की वेशभूषा और गंदे कपडे देखकर लोग धीरज को भिखारी समझते हैं। लोगों के पैर छूकर पैसे मांगकर ये अपना खर्च चलाता है। लोग धीरज को पैसा दे भी देते हैं। लेकिन धीरज कोई आम इंसान नहीं है, बल्कि करोड़पति सफाईकर्मी है।

धीरज नाम का ये व्यक्ति गंदे कपड़े पहनकर सीएमओ ऑफिस के आसपास लोगों से पैसा मांगते मिल जाएगा, इसे भिखारी समझ कर लोग पैसा दे देते हैं। लेकिन ये भिखारी नहीं बल्कि जिला कुष्ठ रोग विभाग में सफाईकर्मी के तौर पर कार्यरत है, और ये करोड़पति है, इसकी जानकारी तब हुई जब बैंक के कर्मचारी इस व्यक्ति को ढूंढते हुए कुष्ठ रोग ऑफिस पहुंचे। तब कर्मचारियों को इस बारे में जानकारी हुई कि धीरज तब करोड़पति है। धीरज ने 10 साल से अपनी सैलरी को निकाला ही नहीं। इसके पास खुद का मकान और खाते में मोटी रकम मौजूद है। दरअसल, धीरज के पिता इस विभाग में स्वीपर के पद पर कार्यरत थे और नौकरी के बीच उनकी मौत हो गई। वहीं मृतक आश्रित के तौर पर धीरज को 2012 में उसी की जगह स्वीपर की नौकरी मिल गई, तब से उसने अपनी सैलरी बैंक से निकाली ही नहीं, वहां वहीं अधिकारियों और कर्मचारियों से पैसे मांगकर अपना खर्च चलाता है। इसके अलावा उसकी मां की पेंशन भी आती है, लेकिन एक खास बात है कि धीरज सरकार को इनकम टैक्स भी देता है। करोड़पति धीरज अपनी मां और एक बहन के साथ रहता है। उसकी अभी शादी नहीं हुई है, ना धीरज शादी करना चाहता है। उसकी वजह है कि उस डर है कि उसकी रकम कोई ले न ले। कर्मचारियों की माने तब धीरज थोड़ा दिमागी कमजोर भी है, लेकिन ईमानदारी और मेहनत से पूरा काम भी करता है।

पृथ्वीराज: गृह मंत्री अमित शाह स्पेशल स्क्रीनिंग पर देखेंगे अक्षय कुमार की फिल्म

मुंबई। (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक जून को बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'पृथ्वीराज' देखेंगे। यह जानकारी फिल्म के निर्देशक चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने मंगलवार को दी। फिल्म में महान योद्धा राजा पृथ्वीराज चौहान के जीवन को दशार्या गया है। पृथ्वीराज का किरदार अक्षय कुमार ने निभाया है। द्विवेदी के अनुसार, गृह मंत्री तीन जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने से दो दिन पहले फिल्म देखेंगे।

फिल्म निमार्ता ने एक बयान में कहा, 'यह हमारे लिए सम्मान की बात है कि हमारे देश के माननीय गृह मंत्री, श्री अमित शाह जी, भारतमाता के सबसे बहादुर सपूतों में से एक सम्राट पृथ्वीराज चौहान के गौरवशाली जीवन पर महाकाव्य गाथा का गवाह बनने जा रहे हैं, जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया।' हालांकि बयान में यह नहीं बताया गया कि फिल्म की स्क्रीनिंग कहां होगी। द्विवेदी को 1991 में टेलीविजन धारावाहिक 'चाणक्य' और विभाजन पर आधारित 2003 की फिल्म 'पिंजर' के निर्देशन के लिए जाना जाता है।

महबूबा मुफ्ती ने फिर अलापा 'पाकिस्तान' राग, बोलीं- पड़ोसी मुल्क का न्यायतंत्र हमसे बेहतर !

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कुलगाम में एक बार फिर से पाकिस्तान राग अलापा है। उन्होंने पाकिस्तान का एक वाक्या साझा करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि यहां (भारत) पर 2015 के बाद कई अखलाकों को मार डाला गया है। लेकिन लिंच करने वालों दंडित नहीं किया जाता है।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पाकिस्तान में एक आदमी को लिंच किया गया तो वहां उन्होंने 6 आदमी को फांसी और एक दर्जन लोगों को उम्रकैद की सजा दी। यहां (भारत) पर 2015 के बाद कई अखलाकों को मार डाला गया है। लेकिन लिंच करने वालों दंडित नहीं किया जाता है बल्कि उनको हार पहनाकर उनका सम्मान होता है। ऐसे में उनके न्यायतंत्र और इस न्यायतंत्र में यही अंतर है।

उन्होंने कहा कि इनके पास लोगों को देने के लिए कुछ नहीं है तो ऐसे में हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा, मुस्लिमों को मरवाना, मस्जिदों पर कब्जा करना रह गया है। मैं इनसे कहती हूं कि अगर आपके पास हिटलर की तरह कोई नुस्खा है तो बता दो कि आप मुसलमानों के साथ क्या करना चाहते हो।

जब भाजपा पर भड़की थीं महबूबा

इससे पहले उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की आलोचना करते हुए भाजपा पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि देश को गुजरात मॉडल, यूपी मॉडल, असम मॉडल, एमपी मॉडल में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। आप इसे कुछ भी कह सकते हैं। मुख्यमंत्री आपस में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं कि मुसलमानों को सबसे ज्यादा कौन परेशान कर सकता है। इसलिए मंदिरों और मस्जिदों के मुद्दे उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा था कि अंग्रेजों ने हिंदुओं को मुसलमानों के खिलाफ खड़ा किया और आज भाजपा कर रही है। प्रधानमंत्री चुपचाप देख रहे हैं। उनकी पार्टी को लगता है कि इसका मतलब है कि वे जो कर रहे हैं वह सही है।

त्योहारों में दाम न बढ़ें, इसलिए सीमित किया गया है चीनी का निर्यात : खाद्य सचिव

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने इस साल चीनी निर्यात को एक करोड़ टन तक सीमित रखने के निर्णय को सही ठहराया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि सरकार ने अक्टूबर-नवंबर के त्योहारी सीजन के दौरान चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए 'समय पर और एहतियाती' उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि अन्य जिंसों की तुलना में चीनी की कीमतें 'कहीं ज्यादा स्थिर' हैं, लेकिन चीनी निर्यात पर अंकुश लगाने का निर्णय इस जिंस की वैश्विक कमी के बीच खुदरा कीमतों में किसी भी तरह की असामान्य वृद्धि को रोकने के लिए लिया गया है।

पांडेय ने यह भी उल्लेख किया कि भारत इस साल दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक के रूप में उभरा है। उत्पादन के मामले में भारत ने ब्राजील को पीछे छोड़ दिया है। ब्राजील को साल उत्पादन में कमी का सामना करना पड़ा है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी निर्यातक भी है। सरकार ने 24 मई को चालू विपणन वर्ष 2021-22 (अक्टूबर-सितंबर) में चीनी निर्यात को एक करोड़ टन तक सीमित रखने की अधिसूचना जारी की है। एक जून से 31 अक्टूबर के बीच विशेष अनुमति के साथ निर्यात की अनुमति दी जाएगी।

मीडिया को संबोधित करते हुए खाद्य सचिव ने कहा, 'चीनी निर्यात 2016-17 के लगभग 50,000 टन से बढ़कर इस वर्ष एक करोड़ टन हो गया है। इस बात को दिमाग से निकाल दें कि यह किसी तरह की रोक है।' उन्होंने कहा कि इस साल देश का चीनी निर्यात अबतक का सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि पहले ही 90 लाख टन चीनी का अनुबंध हो चुका है, जिसमें से 75 लाख टन चीनी का निर्यात किया जा चुका है। विपणन वर्ष 2020-21 में चीनी का निर्यात रिकॉर्ड 70 लाख टन रहा था। उन्होंने कहा कि अक्टूबर-नवंबर के त्योहारी सत्र के दौरान चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबंध लगाए गए हैं, जो नए चीनी विपणन वर्ष की शुरूआत भी है और उस समय चीनी की घरेलू मांग पुराने स्टॉक से पूरी की जाती है।

उन्होंने कहा कि चालू विपणन वर्ष के अंत में लगभग 60-62 लाख टन चीनी का पिछला बचा स्टॉक होगा, जो अक्टूबर-नवंबर में घरेलू आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा ब्राजील में कमी होने के कारण चीनी की वैश्विक उपलब्धता कम है और इस पृष्ठभूमि के मद्देनजर घरेलू उपलब्धता और मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबंध लगाना जरूरी था। पांडेय ने यह भी कहा कि चीनी निर्यात पर प्रतिबंध 'समय पर लिया गया फैसला और एहतियाती कदम' है क्योंकि उद्योग निकाय इस्मा को भी लगता है कि इस साल एक करोड़ टन से अधिक चीनी का निर्यात नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में अन्य वस्तुओं की तुलना में चीनी की थोक और खुदरा दोनों बाजारों में कीमतें कहीं अधिक स्थिर हैं। चीनी निर्यात पर प्रतिबंध सट्टेबाजी और बेवजह की मूल्यवृद्धि को रोकेगा।

उन्होंने कहा कि चीनी की मिल पर कीमतें 32-33 रुपये प्रति किलोग्राम पर चल रही हैं, खुदरा कीमतें क्षेत्र के आधार पर 33-44 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच हैं। एथनॉल के लिए 35 लाख टन गन्ने कोस्थानांतरित करने के बाद चीनी का उत्पादन इस साल दुनिया में सबसे ज्यादा 3.55 करोड़ टन है। चीनी की 2.78 करोड़ टन की घरेलू जरूरत की तुलना में इसकी उपलब्धता कहीं अधिक है। पांडेय ने एथनॉल बनाने के लिए गन्ने को भेजने और निर्यात करने से चीनी मिलों को विपणन वर्ष 2021-22 में गन्ना बकाया राशि का

85 प्रतिशत यानी 1,09,283 करोड़ रुपये किसानों को वापस चुकाने में मदद मिली है। पिछले दो साल में गन्ने का बकाया कम हो गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह 29 मई को गुजरात के 25 जिलों में 57 बिल्डिंगों को करेंगे लोकार्पण

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

केन्द्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह 29 मई को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की उपस्थिति में खेडा के नडियाद में 347 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित आवासी और गैर आवासीय पुलिस भवनों का लोकार्पण करेंगे। उसी दिन अमित शाह अहमदाबाद के नारणपुरा क्षेत्र में विश्वस्तर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास भी करेंगे। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि खेडा समेत राज्य के 25 जिलों में निर्मित पुलिस विभाग के आवासों का

ई लोकार्पण किया जाएगा। सभी जिलों के मुख्यालय पर लोकार्पण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें संबंधित जिला के प्रभारी मंत्री और स्थानीय नेताओं समेत अधिकारी व पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। गुजरात पुलिस आवास निगम द्वारा राज्य के सभी पुलिसकर्मियों को रहने के लिए आवास उपलब्ध कराए जाने और पुलिस विभाग के कामकाज अधिक कार्यक्षम बनाया जा सके इसके लिए गैर आवासी भवन बनाने के एक्शन प्लान के साथ काम किया जाता है। इसके अंतर्गत गुजरात पुलिस आवास निगन द्वारा फिलहाल गुजरात पुलिस के लिए उत्तम सुविधा और गुणवत्तायुक्तनवनिर्मित आवासी और गैर आवासी समेत नए पुलिस स्टेशन के साथ कुल 57 भवनों के काम पूरे किए हैं। 347 करोड़ रुपए की लागत से तैयार इन्हीं 57 भवनों का अमित शाह 29 मई को लोकार्पण करेंगे। हर्ष संघवी ने बताया कि 57 नवनिर्मित भवनों में पुलिस स्टेशन, आईबी ऑफीसें, डॉग केनाल, मोटर ट्रांसपोर्ट विभाग, वायरलैस वर्कशोप, माउन्टड यूनिट, पुलिस बैरक, पुलिस डिस्पेंशनरी, स्पोर्ट्स फैसिलिटी इत्यादि शामिल हैं। इसके अंतर्गत 18.54 करोड़ की लागत से अहमदाबाद में देवजीपुरा पुलिस लाइन और 19.76 करोड़ रुपए खर्च से चांदखेडा पुलिस लाइन, रु 35.79 करोड़ के खर्च से गांधीनगर पुलिस हेड क्वार्टर में आवासी भवन, रु 13.42 करोड़ की लागत से राजकोट शहर पुलिस हेड क्वार्टर में आवासी भवन, रु 18.90 करोड़ के खर्च से महीसागर जिला पुलिस अधीक्षक की कचहरी, रु 13.12 करोड़ के खर्च से छोटाउदेपुर जिला पुलिस अधीक्षक की कचहरी जैसे बड़े प्रोजेक्ट समेत 57 बिल्डिंगें शामिल हैं। हर्ष संघवी ने बताया कि राज्य पुलिस को लगातार मजबूत और कार्यक्षम बनाने की दिशा में सरकार पिछले दो दशकों से कटिबद्ध है। पुलिस विभाग के रोजाना काम के लिए आवश्यक पुलिस स्टेशन, पुलिस हेड क्वार्टर, अलग अलग स्तर के अधिकारियों की कचहरी समेत पुलिस से संबंधित भवन अत्याधुनिक बने और उसमें नागरिकों को पर्याप्त सुविधा उपलब्ध हो इसके लिए तथा पुलिस कर्मचारी किरायामुक्त आवास की सुविधा मिले इसे राज्य सरकार ने प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम अपराधों को रोकने और आरोपियों को जल्द सजा मिले इस उद्देश्य से राजकोट में नया साइबर क्राइम यूनिट बनाया गया है। जिसमें इन्टेग्रेशन रूप में वीडियो कैमरे के साथ ऑडियो थेरापी इत्यादि की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। गुजरात पुलिस आवास निगम की स्थापना से अब तक 48650 जितने विभिन्न स्तर के भवनों का निर्माण रु 4443.81 करोड़ के खर्च से किया गया है7 इसके अलावा आवास निगम द्वारा गैर आवासी मकान जैसे पुलिस स्टेशन, आउटपोस्ट चेकपोस्ट, एसपी ऑफीस बैरक, जेल, एमटी सेक्शन इत्यादि निर्माण का भी काम किया जाता है। आवास निगम द्वारा अब तक 37463 विभिन्न प्रकार के आवासी भवनों का निर्माण रु 2241 करोड़ और 1548 जितने विभिन्न प्रकार के गैरआवासी भवनों का निर्माण रु 1747 करोड़ की लागत से पूर्ण किया गया है।

मुख्यमंत्री आज नर्मदा ज़िले के आदिवासी बहुल डेडियापाडा के दौरे पर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 26 मई गुरुवार को नर्मदा ज़िले के आदिवासी बहुल डेडियापाडा के दौरे पर जाएँगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के करकमलों से कई प्रकार के आदिवासी सहायक कार्य सम्पन्न होंगे। डेडियापाडा में गुरुवार सुबह 10 बजे आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में श्री भूपेंद्र पटेल वनबंधुओं को बाँस का निःशुल्क वितरण तथा बाँस आधारित 4 कौशल वर्द्धन केन्द्रों का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में वन मंत्री किरीटसिंह राणा व वन राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा तथा पदाधिकारी-वरिष्ठ अधिकारी भी सहभागी होने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि वन विभाग ने राज्य के वन तथा आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को कौशल संवर्द्धन प्रशिक्षण से प्रशिक्षित कर बाँस विकास केन्द्रों में तैयार होने वाले उत्पादों, वस्तुओं आदि को देश-विदेश के बाज़ारों तक पहुँचाने का नूतन प्रयास प्रारंभ किया है। तद्अनुसार मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार को डेडियापाडा, नेतंग, वधई एवं केवडी में कुल 2 हज़ार करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 4 कौशल वर्द्धन केन्द्रों का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही पटेल डेडियापाडा स्थित बाँस आधारित कौशल वर्द्धन केन्द्र में निर्मित रूबल मॉल, बाँस वर्कशॉप, आयुष आरोग्य कुटीर और डेडियापाडा तहसील की स्थानीय माताओं-बहनों द्वारा संचालित सातपुडा वन भोजनालय का भी उद्घाटन करने वाले हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल वन क्षेत्रों में क्लस्टर डेवपमेंट के लिए 3 करोड़ रुपए के लाभों-सहायताओं, इको-डेवलपमेंट एवं इको-टूरिज़्म के लाभों, वनबंधुओं को स्वामित्व लाभों का वितरण करने के साथ-साथ वनबंधु क्षेत्रों में बाँस आधारित गतिविधियाँ करने वाले वनवासियों को पुरस्कार भी वितरित करेंगे। पटेल अपने डेडियापाडा दौरे के दौरान प्रगतिशील वनबंधु किसानों एवं वन विकास क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाली मंडलियों को प्रशस्ति पत्र वितरित करेंगे।

इसके अलावा मुख्यमंत्री गुजरात में बाँस से जुड़ी विस्तृत जानकारी से परिपूर्ण पुस्तिका 'बाम्बू रिसोर्स ऑफ़ गुजरात' का अनावरण भी करेंगे। आदिजाति समूहों के सर्वांगीण उत्कर्ष की भावना से यह समग्र कार्यक्रम गुजरात राज्य के वन विभाग द्वारा आयोजित हो रहा है।

भरतसिंह सोलंकी में अगर हिम्मत है तो अन्य धर्म के खिलाफ बयानबाजी कर दिखाए : पाटील

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,कांग्रेस नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी ने मंगलवार को राम मंदिर निर्माण के संदर्भ में विवादित बयान दिया था। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने आज भरतसिंह सोलंकी को जवाब देते हुए कहा कि अगर उनमें इतनी हिम्मत है तो अन्य धर्म के खिलाफ बयानबाजी करके दिखाएं। बता दें कि मंगलवार को भरतसिंह ने अहमदाबाद जिले के धोलका में आयोजित ओबीसी सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा पर राम के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी का आरोप लगाया था। इतना ही नहीं सोलंकी ने यह भी कहा कि राम मंदिर निर्माण के लिए रखी गई ईंटों पर कूत्ते पेशाब करते हैं। सोलंकी के बयान पर सबसे पहली प्रतिक्रिया कांग्रेस के पूर्व नेता हार्दिक पटेल दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा राम का विरोध किया है और यही उसकी असलियत है। आज वडोदरा के पादरा और करजण में आयोजित भाजपा के वन डे, वन डिस्ट्रिक्ट कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने भरतसिंह सोलंकी के बयान का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भरतसिंह सोलंकी को पागलों के अस्पताल में ले जाकर उनकी जांच करानी चाहिए। आखिर क्या वजह है कि कांग्रेस बार बार हिन्दुओं की भावनाओं को आहत करती है। अगर भरतसिंह सोलंकी में ताकत है तो अन्य धर्म के खिलाफ भी बोलकर दिखाएं। सोलंकी के आसपास जो अन्य धर्म के लोग मौजूद हैं उनसे कहकर दिखाएं कि आपके धर्म स्थान पर पेशाब करते हैं, तब मैं उन्हें मर्द समझूंगा। पाटील ने सोलंकी को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हिन्दुओं की भावनाओं से खिलावाड किया तो वह उन्हें नहीं बख्शेंगे। सीआर पाटील ने कार्यक्रम में मौजूद दिव्यांगों और विधवा महिलाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अलग अलग सेक्टर के लोगों की समस्याओं का निपटारा करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया

दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में बारिश का अनुमान, मछुआरों को समुद्र में न जाने की हिदायत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में पिछले ३-४ दिनों से मौसम का मिजाज बदला है। इस दौरान राज्य में कई जगह छुटपुट बारिश भी हुई है। आगामी दो-तीन दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में सामान्य बारिश होने का मौसम विभाग का अनुमान है। इस दौरान तेज हवा भी चलेगी। मौसम विभाग ने सौराष्ट्र के राजकोट और अमरेली के साथ ही दक्षिण गुजरात में बारिश की संभावना जताई है। तेज हवा चलने के कारण 28 और 29 मई को समुद्र में नहीं जाने की मछुआरों का हिदायत दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक 27 से 29 मई के दौरान समुद्र में तेज हवा चलेगी इसलिए जखौ, मांडवी, न्यू कंडला, नवलखी और जामनगर के समुद्र में जाने को हिदायत दी गई है। समुद्र में प्रति घंटे 60 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है और इस वजह से समुद्र तूफानी हो सकता है। जिसे ध्यान में रखते हुए ऐहतियात मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की नसीहत दी गई है। इस दौरान हवा के साथ राज्य में खासकर दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में बारिश हो सकती है। पिछले 2-3 दिनों के दौरान बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत जरूर मिली है, लेकिन अब उमस ने बेहाल कर दिया है।